जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 71 प्रभात जालोर, बुधवार 18 जून, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस ने सचिन पायलट को ''फील्ड'' किया, जातिगत जनगणना को केवल दिखावा साबित करने के लिए

पायलट ने एआईसीसी में आयोजित प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि केवल बिहार चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने ''कास्ट सैन्सस'' को अपनाने का ''नाटक'' किया है, क्योंकि जात का भारी महत्व रहा है मतदान में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। कांग्रेस ने आज ओबीसी समुदाय के अपने प्रमुख नेताओं में से एक सचिन पायलट को आगे कर जातीय जनगणना के मुद्दे पर मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला तथा इससे जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस विषय पर गंभीर नहीं है और लोगों की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास कर रही है।

एआईसीसी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा कि केन्द्र सरकार, जो अब तक जातीय जनगणना को पूरी तरह नकारती रही, जिसमें स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे शहरी नक्सल का काम कहा था और राज्य मंत्री ने इसे स्वीकार करने से इनकार किया, वह भी राहुल गांधी और कांग्रेस के भारी दबाव में आकर आखिरकार इसे स्वीकारने को मजबूर हुई।

- **पायलट ने अपनी इस सोच के समर्थन में दो तर्क पेश किये। पहला तर्क है, केन्द्रीय सरकार ने देश भर में ''कास्ट सैन्सस'' कराने के लिए केवल 574 करोड़ रूपये का ही प्रावधान किया है, जबकि इस काम को ढंग से कराने के लिए 8 से 10,000 करोड़ रूपये की लागत आने का आंकलन है। इतना कम बजटीय प्रावधान, ''कास्ट सैन्सस'' कराने के बारे में केन्द्र सरकार के गैर गंभीर होने का प्रमाण है।**
- **पायलट का दूसरा तर्क है, केन्द्रीय सरकार 2027 में यह ''कास्ट सैन्सस'' कराना चाहती है। दो साल का विलंब क्यों? सचिन का कहना है, एक बार चुनाव हो जाए, उसके बाद ''कास्ट सैन्सस'' का मुद्दा आसानी से ठंडे बस्ते में डाल दिया जा सकता है, जैसे, महिला आरक्षण विधेयक ठंडे बस्ते में डाला हुआ है।**

पायलट ने बताया कि सरकार द्वारा जारी की गई जनगणना अधिसूचना में जाति जनगणना का कोई उल्लेख नहीं है और इसके लिए बजट में महज 574 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है, जबकि इसकी वास्तविक लागत 8,000 से 10,000 करोड़ रूपए के बीच होगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि जातीय जनगणना तेलंगाना मॉडल पर हो, जहाँ विशेषज्ञों से सलाह लेकर ऐसा फॉर्मेट तैयार किया गया, जिसमें शैक्षिणक योग्यता, आर्थिक स्थिति, जीविका का स्वरूप, सरकारी नौकरियों में भागीदारी और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी शामिल की गईं।

सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक की तरह ही सरकार जाति जनगणना के मामले में भी आँख मिचाली खेल रही है और वास्तव में किसी भी वर्ग की वास्तविक स्थिति को समझने में उसकी कोई रुचि नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकार केवल इसलिए यह प्रक्रिया चला रही है, क्योंकि बिहार में चुनाव नज़दीक हैं, जहाँ जाति सबसे बड़ा मुद्दा होता है और वहाँ के लोग अन्य बिन्दु से कहीं ज्यादा जाति के आधार पर ही मतदान करते हैं।

पायलट ने एक और अहम मुद्दा उठाया, जनगणना वर्ष 2027 में क्यों कराई जा रही है, जबकि इसमें अभी दो साल का समय शेष है। इससे स्पष्ट है कि सरकार इस मुद्दे को लगातार टाल रही है और इसमें उसकी कोई रुचि नहीं है। यह सिर्फ कांग्रेस के दबाव का नतीजा है कि सरकार को यह कदम उठाना पड़ा।

'कुछ देर में परीक्षा शुरु हो रही है, मामले की सुनवाई नहीं हो सकती'

जयपुर, 17 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस मुख्य परीक्षा 2024 में दखल देने से इनकार कर दिया है। अवकाशकालीन न्यायाधीश मनीष शर्मा की एकलपीठ ने मंगलवार को याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि कुछ देर में परीक्षा शुरु होने वाली है। ऐसे में अब मामले की सुनवाई नहीं की जा सकती हैं।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि आरपीएससी की ओर से 17 और 18 जुलाई को आरएएस भर्ती-2024 की मुख्य परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है,

- **हाई कोर्ट ने आरएएस 2024 की परीक्षा में दखल देने से इंकार किया।**

जबकि फिलहाल आरएएस भर्ती-2023 की भर्ती प्रक्रिया ही पूरी नहीं हुई है। इस समय, उस परीक्षा के वर्तमान में साक्षात्कार कर चले हैं। ऐसे में बीते साल की इस परीक्षा की प्रक्रिया पूरी होने तक आरएएस-2024 की मुख्य परीक्षा को स्थगित किया जाए। याचिका में यह भी कहा गया कि प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री, एमएलए और एमपी मुख्य परीक्षा को स्थगित करने की सिफारिश कर चुके हैं। उनकी सिफारिशों को देखते हुए परीक्षा स्थगित होने के निर्णय का इंतजार करने के बाद अंतिम समय पर याचिका दायर की गई है। याचिका में यह भी कहा गया कि भारत-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप जी 7 शिखर वार्ता को बीच में छोड़कर अचानक अमेरिका रवाना हुए

वे ईरान-इज़रायल युद्ध में अमेरिका की भूमिका के बारे में अहम् निर्णय लेने की बात कहकर कैनडा से रवाना हुए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

ऑटवा,(कैनडा),17 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कैनडा की रॉकी पर्वत श्रृंखला के बीच स्थित बैनफ में हो रहे 7 शिखर सम्मेलन को अचानक छोड़ कर स्वदेश लौट गए, ताकि वे मध्य पूर्व में ईरान से जुड़े गंभीर और तात्कालिक हालात से निपट सकें। इससे पहले, इज़राइल ने ईरान के भीतर हमले कर उसके परमाणु हथियारों की क्षमताओं को नष्ट करने की कोशिश की थी।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए तेहरान के नागरिकों से सुरक्षा की खातिर तुरंत शहर छोड़ने की अपील की है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान के नागरिक भयभीत हैं और राजधानी एवं आसपास के इलाकों से कैस्पियन सागर की ओर पलायन कर रहे हैं। वहीं, पेट्रोल पंपों और जरूरी सामान की दुकानों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप इस समय ईरान संकट से जुड़े कुछ बेहद अहम फैसलों के बीच में हैं। इज़राइल, ईरान के पवित्र शहर क़ोम के पास स्थित पहाड़ियों के अंदर बने सबसे महत्वपूर्ण परमाणु ठिकाने को तबाह करने की योजना पर विचार कर रहा है। सैटेलाइट चित्रों से पता चलता है कि ये ठिकाने लगभग 250 से 300 फीट गहराई में स्थित हैं।

इस संबंध में बंकर-बस्टिंग बमों (भूमिगत ठिकानों को नष्ट करने वाले विशेष बम) के इस्तेमाल पर विचार किया जा रहा है। केवल अमेरिका के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **इज़रायल ने पिछली रात ईरान पर पुनः भारी अटैक किया तथा ईरान की न्यूक्लियर सुविधाओं को एकदम नेस्तानाबूद करने के कगार पर है।**
- **पर, धार्मिक शहर कोम के पर्वतों में जमीन के 250 से 300 फीट नीचे बनी सुरंगों में अभी भी ईरान के कुछ न्यूक्लियर प्रतिष्ठान सुरक्षित हैं।**
- **इन सुरंगों को नष्ट करने के लिए इज़रायल को अमेरिका द्वारा प्रदत्त ''बंकर बस्टिंग बम'' के इस्तेमाल की अनुमति की आवश्यकता है और ''बंकर बस्टिंग बम'' केवल अमेरिका के बी-52 विमान ही युद्ध स्थल तक ले जा सकते हैं, दागने के लिए।**
- **अभी तक अमेरिका ने इन बमों और बी-52 विमानों को ईरान के खिलाफ उपयोग में लाने के लिए अपनी इजाज़त नहीं दी थी।**

इण्डस वॉटर ट्रीटी से प्राप्त सरप्लस पानी को राजस्थान तक लायेगी भारत सरकार

इसके लिए भारत सरकार 113 किलोमीटर लम्बी नहर बनायेगी, यह नहर चिनाब-रावी-ब्यास-सतलज नदियों को जोड़ते हुए जम्मू-कश्मीर का सरप्लस पानी, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की सूखी धरती तक पहुँचायेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। जल कूटनीति और रणनीतिक संसाधन योजना में उठाये गये एक बड़े कदम के तहत, भारत ने सिंधु नदी प्रणाली के अतिरिक्त जल की पाकिस्तान को होने वाली आपूर्ति पूरी तरह से रोकते हुए, देश में ही इसका और उपयोग करने की एक बडी योजना बनाई है।

सरकार जम्मू-कश्मीर से 113 किलोमीटर लंबी नहर बनाकर अतिरिक्त जल को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में मोडने की योजना बना रही है।

इसके साथ ही केन्द्र सरकार ने लंबे समय से लंबित उझ बहुउद्देश्यीय परियोजना को जम्मू के कठुआ में पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य जलविद्युत उत्पादन के साथ-साथ, सिंचाई और पेयजल की आपूर्ति बढ़ाना है। प्रस्तावित चिनाब-रावी-ब्यास-सतलज नहर इन नदियों के जल नेटवर्क को एक साथ जोड़ देगी, जिससे पाकिस्तान की ओर बहने वाले जल की मात्रा कम हो जाएगी।

शनिवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि ''सिंधु जल को प्रस्तावित नहर के माध्यम से राजस्थान के श्रीगंगानगर तक ले जाया जाएगा, तथा उसे वर्तमान में सतलज और ब्यास से जल ले जाने वाली इंदिरा गांधी नहर से जोड़ा जाएगा।''

- **जैसा कि विदित ही है, वर्तमान में भारत का नहर सिस्टम, सतलज, ब्यास नदी का पानी इंदिरा गांधी नहर के मार्फत राजस्थान के गंगानगर इलाके तक पहुँचाता है।**
- **नई 113 किलोमीटर लंबी नहर भी इंदिरा गांधी नहर सिस्टम का उपयोग करते हुए अब इण्डस वैली वॉटर सिस्टम का सरप्लस पानी गंगानगर तक पहुँचायेगी।**
- **भारत सरकार बहुप्रतीक्षित व प्रस्तावित कथुआ हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजैक्ट को भी नए सिरे से शुरु करते हुए, कथुआ बाँध के पानी से बिजली ही पैदा करेगी, साथ ही इस बाँध के पानी का उपयोग सिंचाई व पीने के पानी की परियोजनाओं में काम में लेगी।**

मुख्यमंत्री आज सांचौर में

जालोर, 17 जून (कासं)। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 18 जून को जालोर जिले के दौरे पर रहेंगे।

प्राप्त कार्यक्रमानुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 18 जून को दोपहर 12.25 बजे पुलिस लाइन हैलीपेड राजसमन्द से हेलीकॉप्टर के माध्यम से रवाना होकर दोपहर 1.25 बजे हैलीपेड सीलू, सांचौर पहुंचेंगे। इसके बाद दोपहर 1.30

- **वे सीलू घाट (नर्मदेश्वर) का पूजन व दर्शन करेंगे, फिर वंदे गंगा जल सरंक्षण जन अभियान के तहत सभा में शामिल होंगे।**

बजे हैलीपेड से कार द्वारा रवाना होकर दोपहर 1.35 बजे सीलू घाट, सीलू पहुंचेंगे, जहां वे सीलू घाट (नर्मदेश्वर) पर पूजन एवं दर्शन करेंगे। इसके उपरांत वे दोपहर 1.50 बजे वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत कार्यक्रम व सभा में सम्मिलित होंगे। दोपहर 2.30 बजे सीलू घाट से हैलीपेड के लिए रवाना होंगे। दोपहर 2.35 बजे हैलीपेड से हेलीकॉप्टर द्वारा उत्तरलाई एयरपोर्ट बाड़मेर के लिए प्रस्थान करेंगे।

कच्चे तेल के परिवहन के लिए 100 टैंकर बनाएगा भारत

दस अरब डॉलर की लागत की इस परियोजना से भारत कच्चे तेल परिवहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। भारत की समुद्री स्वायत्तता को मजबूत करने और घरेलू जहाज़ निर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारत सरकार ने 85,000 करोड़ रु. (लगभग 10 अरब डॉलर) की लागत से देश के अंदर 100 से अधिक कच्चे तेल के टैंकरों के निर्माण को स्वीकृति दी है। 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत यह महत्त्वाकांक्षी परियोजना न केवल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगी, बल्कि कुछ औद्योगिक समूहों के लिए एक बड़ा बदलाव भी साबित हो सकती है।

इस आदेश का बड़ा हिस्सा भारत की प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की शिपयार्ड कंपनियों, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सी.एस.एल.) और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एम.डी.एल.)-के साथ-साथ निजी क्षेत्र की स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मिलने की संभावना है। जहाँ, सी.एस.एल. और एम.डी.एल. का, जटिल नौसेना व वाणिज्यिक जहाज परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने का रिकॉर्ड है, वहीं, स्वान डिफेंस (पूर्व में रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग) की भागीदारी निजी क्षेत्र की वापसी का संकेत देती है, जिसकी ऐतिहासिक संबद्धता अनिल अंबानी से रही है।

सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड की इस रणनीतिक भागीदारी का उद्देश्य औद्योगिक क्षमता का संतुलित वितरण करना है, जो समुद्री आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के सरकार के व्यापक प्रयासों को दर्शाता है।

इन टैंकरों का स्वामित्व सीधे शिपयार्ड या तेल कंपनियों के पास नहीं होगा, बल्कि स्पेशल पर्पज़ व्हीकल्स (एस.पी.वी.) के माध्यम से होगा। इन एस.पी.वी. में शिपिंग कॉपोरेशन ऑफ इंडिया (एस.सी.आई.), सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों और वित्तीय संस्थानों की हिस्सेदारी होगी। हालांकि, परियोजना की कुल पूंजी का लगभग 70 प्रतिशत ऋण के माध्यम से जुटाया जाएगा, जिससे निजी वित्त पोषकों को अवसर मिलेगा और संभावित रूप से इन महत्वपूर्ण मैरिटाइम एसैट्स (समुद्री परिसंपत्तियों) पर अप्रत्यक्ष निजी नियंत्रण भी बन सकता है।

हालांकि यह योजना सरकारी नेतृत्व में है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ देश के दो सबसे बड़े व्यापारिक समूहों-रिलायंस इंडस्ट्रीज़ और अडानी ग्रुप-को मिल सकता है।

मुकेश अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस को अनेक माध्यमों से लाभ होने की संभावना है। स्वान डिफैंस की भागीदारी, इसके पूर्व के संबंधों के माध्यम से 2 जहाज निर्माण अनुबंध मिलने की संभावना को दर्शाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि, जामनगर स्थित रिलायंस की विशाल रिफाइनिंग गतिविधियाँ, इन नए टैंकरों में से कई को चार्टर करेंगी, जिससे कच्चे तेल के परिवहन पर कंपनी का संचालन नियंत्रण हो सकता है।

दूसरी ओर, गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह को, विशेष रूप से अडानी पोर्ट्स (जैसे मुंद्रा पोर्ट)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **टैंकरों के निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र की शिपयार्ड कम्पनियों कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और मझगाँव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड के साथ-साथ निजी क्षेत्र की कम्पनी स्वॉन डिफैंस एण्ड हैवी इंडस्ट्रीज़ की भागीदारी होगी।**
- **कुछ आलोचकों का कहना है कि यह टैंकर भले ही सरकारी नियंत्रण में बनेंगे, इसका वास्तविक नियंत्रण धीरे-धीरे निजी हाथों में जा सकता है, खासकर रिलायंस और अडानी समूह के।**

सोनिया गांधी की तबियत में सुधार

नयी दिल्ली, 17 जून। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी के निजी सर गंगाराम अस्पताल के सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि श्रीमती गांधी के पेट के संक्रमण में सुधार हो रहा है और उन्हें स्वास्थ्य लाभ हुआ है।

गांधी को पेट में दर्द की शिकायत के कारण रविवार रात यहां सर गंगाराम

- **सर गंगाराम अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी के पेट का संक्रमण ठीक हो रहा है।**

अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि 78 वर्षीय श्रीमती गांधी को चिकित्सा निगरानी में रखा गया है।

गांधी की पिछले सप्ताह भी अस्पताल में स्वास्थ्य जांच की गयी थी।

शुरु से लग रहा था, पता नहीं क्या गुल खिलायेंगे ट्रंप कैनडा में आयोजित जी7 सम्मेलन में

इससे पहले जब कैनडा में ही जी7 की बैठक हुई थी, ट्रंप ने मीटिंग के अन्त में तैयार ''जॉइन्ट स्टेटमैंट'' पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था तथा अपुष्ट समाचार था, उस ''जॉइन्ट स्टेटमैंट'' को फाड़ कर फेंक दिया था

-अजंय रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

ऑटवा,(कैनडा), 17 जून। दुनिया के सबसे विशिष्ट और प्रभावशाली क्लब कहे जाने वाले जी7 समूह की बैठक आज से कैनडा के खूबसूरत रॉकी पर्वतीय क्षेत्र में शुरू हो रही है। हालांकि इस बार सम्मेलन से उम्मीदें अपेक्षाकृत कम रखी गई हैं। कहा जा रहा है कि मेज़बान कैनडा ने, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के अनिश्चित और अप्रत्याशित व्यवहार को देखते हुए, बैठक के अंत में किसी साझा घोषणा पत्र की उम्मीद को त्याग दिया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जी7 बैठक में आमंत्रित किया गया है, हालांकि भारत इस समूह का सदस्य नहीं है। शुरुआत में भारत की भागीदारी को लेकर कुछ अनिश्चितता थी, लेकिन कई जी7 सदस्य देशों के आग्रह पर मोदी को आमंत्रण भेजा गया, क्योंकि इस बार का एजेंडा वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर केन्द्रित है

भारत और कैनडा के संबंध पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में खालिस्तानी मुद्दे को लेकर तनावपूर्ण हो गए थे। लेकिन अब नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, जो बैंक ऑफ कैनडा और बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर भी रह चुके हैं, ने व्यक्तिगत रूप से मोदी को फोन कर इस सम्मेलन में आमंत्रित किया।

- **तभी से ट्रंप के बारे में यह आम धारणा बनी हुई है कि वे जिस भी कमरे में हों, वहाँ सबसे ''डॉमिनैंट व्यक्ति'' (प्रभावशाली व्यक्ति) होना चाहते हैं तथा दूसरों को उनकी बात स्वीकार कराना ही उनका बड़ा ध्येय होता है।**
- **पर, कैनडा में आयोजित वर्तमान जी7 सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रॉं जैसे नेता भी हैं, जो अमेरिका में वाइट हाउस में ट्रंप के दफ्तर में ट्रंप को आईना दिखाकर बाहर आये थे। इन हालात में शिखर सम्मेलन में काफी आतिशबाजी होने की आशंका थी।**

जी7 के शिखर सम्मेलन में आर्थिक मुद्दों पर केन्द्रित लघु मीटिंग्स होंगी, जिनमें वैश्विक व्यापार, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, टैरिफ और इमिग्रेशन जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

भारत के लिए यह सम्मेलन महत्वपूर्ण हो सकता है, विशेषकर व्यापार और शुल्क के मुद्दों पर प्रगति हासिल करने के लिए। ट्रंप द्वारा भारत पर पारस्परिक शुल्क लागू किए जाने के बाद मोदी और ट्रंप यहाँ व्यक्तिगत रूप से पहली बार मिलेंगे। ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि भारत के साथ व्यापार समझौता जल्द ही हो सकता है और इस मंच पर किसी ठोस प्रगति की घोषणा उनके लिए चुनावी दृष्टि से भी फायदेमंद हो सकती है।

ट्रेड अमेरिकी राष्ट्रपति का ट्रंप कार्ड है। वे व्यापार गतिरोध को तोड़ने के अपने सौदों पर अड़ जाते हैं। वे अक्सर समझौतों की भी जल्दबाज़ी में, समय से पहले ही, घोषणा कर देते हैं।

ट्रंप की नाटकीय शैली से अलग इस बार का जी7 सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध और अस्थिरता से दुनिया को गंभीर खतरे हैं। इज़राइल और ईरान के बीच संघर्ष के अचानक तेज़ होने से वैश्विक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग का अपहरण, दुष्कर्म करने वाले को 10 साल की सजा

जयपुर, 17 जून। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने करीब 14 साल की नाबालिग विवाहिता का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त नितिन कुमार को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने 24 वर्षीय इस अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया

- **पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने सजा के साथ एक लाख रूपये जुर्माना लगाया।**

है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में नाबालिगों के साथ लैंगिक अपराध बढते जा रहे हैं। ऐसे में अदालत का कर्तव्य है कि अभियुक्त को उसके किए गए अपराध के लिए दंडित करे।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

उदय होते समय सूर्य लाल होता है और अस्त होते समय भी।
इसी प्रकार संपत्ति और विपत्ति के समय महान पुरुषों में एकरूपता होती है।
–कालिदास

सोलह साल बाद हो रही जनगणना में जातियां भी गिनी जाएंगी

केंद्र सरकार ने नयी जनगणना की अधिसूचना जारी कर दी है। इस बार जनगणना 10 वर्षों की बजाय 16 वर्षों के अंतराल से हो रही है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। प्रति दस वर्ष में होने वाली यह कवायद 2021 में होनी थी किन्तु कोविड महामारी के दौर में उसे स्थगित कर दिया गया। गृह मंत्रालय ने जनगणना अधिनियम 1948 के प्रावधान के अनुरूप सोमवार को राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित कर संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना का कार्यक्रम घोषित किया है। इस बार की जनगणना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसमें नागरिकों की जातिवार गणना भी की जाएगी। देश या क्षेत्र विशेष की आबादी के बारे में जनसांख्यिकीय, आर्थिक और सामाजिक आंकड़े इकट्ठा करने, उसके संकलन, विश्लेषण और सार्वजनिक करने को जनगणना कहा जाता है। देश में रहने वाले लोगों के विकास के लिए यह जानना ज़रूरी होता है कि लोग कौन हैं, वो किस स्थिति में हैं, कितने पढ़े-लिखे हैं, कौन क्या करते हैं, कितने लोगों के पास रहने को घर हैं, कितनों के पास नहीं हैं, उनकी सामाजिक स्थिति क्या है आदि के उत्तर दर्ज किए जाते हैं। जनगणना इन्हीं सब आंकड़ों को जुटाने की प्रक्रिया होती है। इन आकड़ों का इस्तेमाल नीतियां और कल्याणकारी योजनाएं बनाने के लिए किया जाता है। इस बार जातियों की गणना के साथ-साथ जनगणना दो चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। देश के ज़्यादातर हिस्सों में जनगणना के लिए 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे को आधार तारीख़ माना जाएगा। वहीं, ठंडे और बर्फबारी वाले इलाकों जैसे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जनगणना की तारीख 1 अक्तूबर 2026 तय की गई है। जनगणना 2011 में देश की जनसंख्या 1210.19 मिलियन थी, जिसमें 623.72 मिलियन (51.54 प्रतिशत) पुरुष और 586.46 मिलियन (48.46 प्रतिशत) महिलाएं थीं। भारत में अंग्रेजों के शासन काल में 1872 से जनगणना हो रही है। इस बार की जनगणना में जाति का नया आयाम जुड़ा है। हालांकि भारत में जाति गणना का इतिहास बहुत पुराना है। ब्रिटिश औपनिवेशिक प्रशासन ने 1881 से 1931 के बीच हर दशक में आयोजित जनगणना प्रक्रिया में जाति गणना को शामिल किया था। इन सर्वेक्षणों ने विस्तृत जनसांख्यिकीय डेटा एकत्र करते हुए जनसंख्या को जाति, धर्म और व्यवसाय के आधार पर वर्गीकृत किया। यह प्रक्रिया आंशिक रूप से भारत की जटिल सामाजिक संरचना को समझने और उस पर शासन करने की औपनिवेशिक आवश्यकता से प्रेरित थी। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, 1951 में स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना ने एक महत्वपूर्ण बदलाव किया। तत्कालीन सरकार ने अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को छोड़कर जाति गणना को बंद करने का फैसला किया। यह निर्णय इस विश्वास पर आधारित था कि जाति पर ध्यान केंद्रित करने से विभाजन को बढ़ावा मिल सकता है और एक नए स्वतंत्र राष्ट्र में राष्ट्रीय एकता में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके एक दशक बाद, 1961 में, केंद्र सरकार ने राज्यों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की राज्य-विशिष्ट सूचियां तैयार करने के लिए अपने स्वयं के सर्वेक्षण करने की अनुमति दी। एससी और एसटी से परे सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े समूहों के लिए सकारात्मक कार्रवाई की मांगों पर ऐसा किया गया। इसके लिए हालांकि, कोई राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना नहीं की गई।

बाद में जाति जनगणना एक राजनीतिक मुद्दे में बदल गई। केंद्र सरकार की नौकरियों में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की मंडल आयोग की सिफारिश ने जाति को फिर से राजनीतिक सुर्खियों में ला दिया। व्यापक जाति डेटा की कमी ने ओबीसी आबादी की सटीक पहचान और मात्रा निर्धारित करना चुनौतीपूर्ण बना दिया, जिससे जाति जनगणना की मांग बढ़ गई। इसी के चलते 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने लोकसभा को आश्वासन दिया था कि जाति जनगणना के मामले पर कैबिनेट में विचार किया जाएगा। इस विषय पर विचार-विमर्श के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था और अधिकांश राजनीतिक दलों ने जाति जनगणना कराने की सिफारिश की थी। मगर तत्कालीन कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने जाति जनगणना के बजाय सर्वेक्षण का विकल्प चुना, जिसे सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) के रूप में जाना जाता है। यूपीए सरकार ने 2011 की जनगणना में सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना आयोजित की, जो 1931 के बाद से देश भर में जाति डेटा एकत्र करने का पहला प्रयास था। हालांकि उसमें प्राप्त जाति डेटा को कभी भी पूरी तरह से जारी या उपयोग नहीं किया गया। राष्ट्रीय जाति जनगणना की अनुपस्थिति में, बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों ने हाल के वर्षों में अपने स्वयं के जाति सर्वेक्षण किए हैं। इन सर्वेक्षणों का उद्देश्य राज्य-विशिष्ट आरक्षण नीतियों और कल्याण कार्यक्रमों के लिए डेटा एकत्र करना था। संविधान के अनुच्छेद 246 के अनुसार, जनगणना सातवीं अनुसूची में संघ सूची में 69वें स्थान पर सूचीबद्ध विषय है। गत 30 अप्रैल को केंद्र सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि हालांकि कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण किए हैं, लेकिन इन सर्वेक्षणों में पारदर्शिता और उद्देश्य अलग-अलग रहे हैं, कुछ सर्वेक्षण पूरी तरह से राजनीतिक दृष्टिकोण से, समाज में संदेह पैदा करने के लिए किए गए हैं। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीतिक दबाव में न आए, यह निर्णय लिया गया है कि जाति गणना को अलग सर्वेक्षण के रूप में आयोजित करने के बजाय मुख्य जनगणना में शामिल किया जाए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत हो और देश की प्रगति बिना किसी बाधा के जारी रहे।

इस बार जनगणना में डिजिटल माध्यम का भी उपयोग होगा। देर से हो रही जनगणना के आंकड़ों का नीति निर्माताओं तथा अर्थशास्त्रियों को ही इंतजार नहीं होगा बल्कि समाजशास्त्रियों और सामाजिक संगठनों की भी उन पर नजर होगी। भारत की तीव्र आर्थिक विकास की गति और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद के दौर में हो रही इस जनगणना के आंकड़े आधुनिक भारत की नई पहचान भी दे सकते हैं।

यह सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि जाति जनगणना क्यों मायने रखती है? जाति जनगणना एक जनसांख्यिकीय प्रयास से कहीं अधिक है। यह गहरे सामाजिक निहितार्थों वाला एक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दा है। जनगणना में जाति को शामिल करने से आरक्षण नीतियों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय पहलों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। यह चुनावी रणनीतियों को भी नया रूप दे सकता है, क्योंकि पार्टियां विभिन्न जाति समूहों से समर्थन पाने की होड़ में लगी रहती हैं। जाति जनगणना के समर्थक यह मानते हैं कि भारत में आवश्यक सेवाओं – शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पोषण और सामाजिक सुरक्षा – तक पहुंच का एक बड़ा हिस्सा जाति, क्षेत्र, धर्म और आर्थिक स्थिति की संरचनात्मक असमानताओं से प्रभावित होता है। इन अंतर-असमानताओं को उजागर करने और ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों, जो वास्तव में न्यायसंगत और समावेशी हों, को डिजाइन करने के लिए जाति जनगणना महत्वपूर्ण हो सकती है तथा सटीक जातिगत डेटा मौजूदा सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर करने के लिए शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण जैसी सकारात्मक कार्रवाई की नीतियां बनाने में मदद कर सकता है। कई लोग जाति जनगणना को हाशिए पर पड़े समुदायों की पहचान करने और उनके उत्थान के लिए ज़रूरी मानते हैं, लेकिन अन्य लोग यह भी चेतावनी देते हैं कि इससे जातिगत पहचान मजबूत हो सकती है और समाज का विभाजन गहरा हो सकता है।

ऐसा माना जाता है कि जाति प्रथा सिर्फ हिंदुओं में ही होती है। मगर भारत में ऐसा नहीं है। इस्लाम में सैद्धांतिक रूप से जाति नहीं होती, लेकिन भारतीय उपमहाद्वीप के मुसलमानों में जातिगत श्रेणियां मौजूद हैं। जैसे अशराफ (सैयद, पठान, शेख, मुगल जैसी उच्च जातियां) जिन्हें अरब मूल का माना जाता है। सामान्य जातियां अजलाफ वे हैं जो आमतौर पर स्थानीय धर्म परिवर्तित लोग हैं। तीसरी अरज़ल जो निम्न माने जाने वाले समुदाय हैं जैसे भंगी या मेहतर, जिनका सामाजिक स्तर बहुत निम्न माना जाता है। दलित मुसलमानों को अब भी सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। ईसाई धर्म में भी समानता का सिद्धांत है, लेकिन भारत में दलित ईसाई, ऊंची जाति के ईसाई (जैसे नायर, ब्राह्मण ईसाई), और आदिवासी ईसाई के बीच भेदभाव देखा गया है। चर्चों में भी कभी-कभी ऊंची और नीची जाति के लिए अलग बैठने की व्यवस्था या कब्रगाहें होती हैं। दलित ईसाइयों को कभी-कभी समान नेतृत्व वाली भूमिकाएं नहीं मिलतीं हैं।

भले ही जनगणना के लिए संदर्भ तिथियां एक अक्टूबर, 2026 (बर्फीले क्षेत्रों के लिए) और एक मार्च, 2027 (शेष भारत के लिए) हैं, लेकिन घरों की सूची बनाने का चरण अप्रैल 2026 तक शुरू होने की संभावना है। इससे पहले, गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों को जनगणना प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। जनगणना 2027 के क्षेत्र में निर्बाध निष्पादन सुनिश्चित करके जनगणना को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए प्रशिक्षण, एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। शीर्ष स्तर पर, कम से कम 100 राष्ट्रीय प्रशिक्षक होंगे। राष्ट्रीय प्रशिक्षकों को जनगणना और प्रशिक्षक विकास कौशल दोनों पर प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि अगले स्तर यानी मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया जा सके। लगभग 1800 मास्टर ट्रेनर फील्ड ट्रेनर को प्रशिक्षण देंगे। लगभग 45,000 फील्ड ट्रेनर फील्ड कार्यकर्ताओं यानी गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षित किए जाएंगे। फील्ड ट्रेनर उप-जिला स्तर पर लगभग 30 लाख गणनाकर्ताओं और उनके पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। ये गणनाकर्ता और पर्यवेक्षक निर्दिष्ट स्थानों पर घर-घर जाकर गणना करेंगे। इस बार जनगणना में डिजिटल माध्यम का भी उपयोग होगा। देर से हो रही जनगणना के आंकड़ों का नीति निर्माताओं तथा अर्थशास्त्रियों को ही इंतजार नहीं होगा बल्कि समाजशास्त्रियों और सामाजिक संगठनों की भी उन पर नजर होगी। भारत की तीव्र आर्थिक विकास की गति और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद के दौर में हो रही इस जनगणना के आंकड़े आधुनिक भारत की नई पहचान भी दे सकते हैं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

हर बूँद में जीवन, हर जन में भागीदारी: राजस्थान में जल जन अभियान-2025 की लहर

मीनल जीनगर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2025 करोड़ों राजस्थानियों को जल संरक्षण, पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करने और जमीनी स्तर पर भागीदारी, सार्वजनिक जागरूकता और नीति नवाचार के माध्यम से एक धारणीय भविष्य का निर्माण करने के लिए एकजुट मिशन में जुटा रहा है। क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान अपनी शुष्क जलवायु, अनियमित वर्षा और घटते भूजल के कारण गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, एक महत्वपूर्ण अभियान है जिसका उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी, वैज्ञानिक नियोजन और विकेंद्रीकृत शासन के माध्यम से राज्य में जल प्रबंधन को बदलना है जिसे राजस्थान सरकार ने सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट और पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन के साथ साझेदारी में शुरू किया था।

राजस्थान ऐतिहासिक रूप से जल-संकटग्रस्त राज्य रहा है जहाँ कई जिलों को भूजल के अत्यधिक दोहन की श्रेणी में चिह्नित किया गया है। वर्षा न केवल कम होती है, बल्कि असमान रूप से वितरित होती है जिससे सतही जल की उपलब्धता भी बेहद कम हो जाती है। राज्य में बावड़ी, कुंड, जोहड़ और टांका जैसे पारंपरिक जल-संग्रहण प्रणालियों की समृद्ध विरासत रही है किंतु इनका अधिकांश हिस्सा अब जर्जर अवस्था में है या उपयोग से बाहर हो चुका है। इसके अतिरिक्त अतिक्रमण, उपेक्षा और सामुदायिक उत्तरदायित्व की कमी ने इन संरचनाओं की प्रभावशीलता को घटा दिया है। यह अभियान जनसहभागिता के माध्यम से इन प्राचीन जल-संरचनाओं का पुनरुद्धार और पुनर्जीवित करने का प्रयास है।

यह अभियान मुख्यमंत्री जनलाल शर्मा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के अवसर पर 5 जून, 2025 को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया गया। यह शुभारंभ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यशाला के माध्यम से हुआ, शुभारंभ समारोह के बाद मुख्यमंत्री ने जमवा रामगढ़ के रामगढ़ बांध क्षेत्र में स्वयं श्रमदान कर अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने का संदेश दिया और राज्य के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर वैदिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया । यह अभियान आधिकारिक रूप से 5 जून से 20 जून तक चलेगा जो 15 दिनों तक जनभागीदारी की सघन गतिविधियों से भरपूर होगा।

जल जन अभियान का मूल उद्देश्य सामुदायिक स्वामित्व, वैज्ञानिक जल बजट निर्धारण, और पारंपरिक जल-बुद्धि के पुनरुद्धार जैसे सिद्धांतों में निहित है। यह अभियान कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। बावड़ियों, कुंडों, जलाशयों, जोहड़ों और बांधों जैसे पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन किया जाएगा। इसमें रामगढ़ बांध जैसे ऐतिहासिक स्थलों को भी शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में जल धारण क्षमता और भूजल स्तर में वृद्धि सुनिश्चित करना है।

'कर्मभूमि से मातृभूमि' तक की जल सरंचना पहल :- संरक्षण हेतु जल संरचनाओं का निर्माण और पुनर्निर्माण जिसमें एनीकट, चेकडैम, बंध, फार्म तालाब और जल संचयन से जुड़ी अन्य संरचनाएँ शामिल हैं। अगले चार वर्षों में 45,000 से अधिक संरचनाएँ बनाई/मरम्मत की जाएेगी जिसमें पहले वर्ष में 5,000 निर्माण का लक्ष्य है।

भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा :- शुष्क और अति-शोषित क्षेत्रों में भूजल स्तर को स्थिर और मजबूत करने के लिए सतही जल का बहाव रोकना, जलाशयों की गाद हटाना, और बोरवेल पुनर्भरण को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहले ही दिन 345 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की नींव रखी और उद्घाटन किया जिससे मानसून से पहले जल धारण क्षमता बढ़ेगी।

जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण :-नदियों, झीलों, कुओं और बावड़ियों की सफाई के लिए राज्यव्यापी अभियान चलाया जाएगा। बड़े संस्थानों और नगरों में अपशिष्ट जल उपचार परियोजनाएँ शुरू की जाएंगी ताकि जल स्त्रोत प्रदूषित न हों।

जनजागरूकता और भागीदारी को बढ़ावा :-जन सहभागिता के लिए श्रमदान, नुक्कड़ नाटक, गीत, फिल्में, पौधारोपण, कलश यात्राएँ और सामुदायिक संकल्प कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिकों को सक्रिय रूप से अभियान से जोड़ा जा रहा है।

संस्थागत और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहन :- पंचायतों, स्कूलों, महिला समूहों (जैसे आंगनबाड़ी/राजीविका), धार्मिक नेताओं और सीएसआर/दानदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। प्रत्येक ग्राम पंचायत को पानी पंचायत योजना तैयार करने का दायित्व दिया गया है जो स्थानीय जल विज्ञान और मांग के अनुसार आधारित होगी। ग्रामीणों को जल लेखा, जल संतुलन और जलवायु-प्रतिकारक योजना में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

पारिस्थितिक क्रियाओं को सांस्कृतिक श्रद्धा से जोड़ना :- विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा जैसे पावन अवसरों से अभियान का शुभारंभ किया गया है। घाटों और मंदिरों में कलश यात्रा और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित कर जल के प्रति भावनात्मक-सांस्कृतिक संबंध को सुदृढ़ किया जा रहा है।

मूल्यांकन, निगरानी और समन्वय में सुधार :-अभियान की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन प्रगति का मूल्यांकन, विभागीय समन्वय और सोशल मीडिया प्रचार किया जा रहा है। जल संकटग्रस्त क्षेत्रों और पुनर्भरण स्थलों की पहचान जीआईएस और रिमोट सेंसिंग तकनीकों से की जा रही है। जल उपयोग और कार्य प्रगति की निगरानी के लिए मोबाइल ऐप्स और डैशबोर्ड भी शुरू किए गए हैं।

दीर्घकालिक नीतिगत समन्वय :-जल सुरक्षा को स्थायी बनाने के लिए इस अभियान को पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ परियोजना (राम जल सेतु योजना) जैसी प्रमुख दीर्घकालिक परियोजनाओं से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस योजना का पहला चरण 9,400 करोड़ रूपए की लागत से एलिवेटेड कैनाल प्रोजेक्ट-वन विभाग से स्वीकृत हुआ है जिससे 17 जल-संकटग्रस्त जिलों को चंबल का जल मिलेगा।

शहरी स्वच्छता और जल गुणवत्ता में सुधार :-अस्पतालों में सीवेज उपचार संयंत्र, धूल नियंत्रण हेतु सड़क पर पानी का छिड़काव, ई-वेस्ट संठाहण वाहन, और रासायनिक प्रदूषण से प्रभावित जल का उपचार जैसी पहलें शुरू की गई हैं।

आज की एक बूँद, कल का भविष्य :-जल जन अभियान-2025 केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी आंदोलन है जो यह परिभाषित करता है कि राजस्थान जल को कैसे मूल्य देता है, संरक्षित करता है, और भावनात्मक रूप से उससे जुड़ता है। उस प्रदेश में जहाँ हर वर्षा की बूँद आशा और अस्तित्व का प्रतीक है, यह पहल न केवल सदियों पुरानी परंपराओं को फिर से जीवित कर रही है बल्कि नवाचार को गाँव-गाँव तक पहुँचा रही है और लाखों लोगों को "जल संरक्षण -जल जीवन" के एकजुट ध्येय में बाँध रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दृढ़ और दूरदर्शी नेतृत्व में यह अभियान केवल फाइलों और वादों तक सीमित नहीं रहा। इसने जीवन को छुआ है, नदियों को फिर से जीवंत किया है, भूले-बिसरे जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित किया है और सबसे महत्वपूर्ण बात-सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को जाठात किया है। सरकारी कर्मचारियों से लेकर किसानों तक, विद्यार्थियों से लेकर संतों तक, ग्राम पंचायतों से लेकर शहरी नागरिकों तक-हर कोई इस मिशन का भागीदार बन चुका है।

हर साफ की गई टंकी, हर मरम्मत हुआ एनीकट और हर संजोई गई बूँद-यह सभी सामूहिक प्रयासों की शक्ति का प्रमाण हैं। श्रमदान, पौधारोपण, कलश यात्रा, नुक्कड़ नाटक, और जागरूकता रैलियों के माध्यम से यह अभियान केवल जल स्त्रोतों को नहीं बल्कि सामाजिक ताने-बाने, सांस्कृतिक गौरव और पर्यावरणीय चेतना को भी पुनर्जीवित कर रहा है। यह केवल ढांचागत विकास नहीं, यह मानसिकता का परिवर्तन है। यह लोगों को अपने संसाधनों का स्वामी बनाने का आंदोलन है, यह युवाओं को प्रकृति का रक्षक बनने की प्रेरणा देता है, यह दिखाता है कि स्थायी विकास की नींव गाँवों से शुरू हो सकती है। जैसे-जैसे राजस्थान भविष्य की ओर बढ़ता है, जल जन अभियान की विरासत पीढ़ियों तक प्रतिध्वनित होगी, न केवल बहती नदियों या भरे तालाबों में, बल्कि हर बूँद के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व की संस्कृति में।

"जल है तो कल है।"

जल ही जीवन है, जल ही भविष्य है। और जब हम जल को बचाते हैं, तो हम केवल एक संसाधन नहीं-बल्कि अपनी पहचान, समृद्धि और अपनी संतानों का कल सुरक्षित करते हैं।

हर नागरिक जल संरक्षक बने।
हर गाँव में गूँजे जल रक्षा की भावना।
समय अब है।
मिशन हमारा है।

सुश्री मीनल जीनगर
सहायक जनसम्पर्क अधिकारी, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग।

विश्व बैंक की पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ रिपोर्ट भारत में गरीबी उन्मूलन का एक दशक

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने ग्यारह साल के शासन को सेवा सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित किया है । निश्चित ही अगर गरीब कल्याण की बात की जाए तो पिछले एक दशक में भारत ने गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, जिसकी पुष्टि विश्व बैंक की हालिया जारी रिपोर्ट पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ ने की है। यह रिपोर्ट भारत के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य में आए सकारात्मक बदलावों को रेखांकित करती है, जो नीतिगत सुधारों, सरकारी योजनाओं और समावेशी विकास के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है।

विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2011-12 से 2022-23 के बीच भारत ने लगभग 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है । इस एक दशक में अत्यधिक गरीबी दर 27.1 फीसदी से घटकर 5.3 फीसदी रह गई है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो न केवल भारत की आर्थिक प्रगति को दर्शाती है, बल्कि सामाजिक समावेश और समृद्धि के क्षेत्र में भी देश की मजबूत स्थिति को उजागर करती है। इस ब्रीफ के विश्लेषण से गरीबी में कमी, ग्रामीण-शहरी असमानता में कमी और सरकारी योजनाओं की भूमिका को समझा जा सकता है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अत्यधिक गरीबी (प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम आय पर आधारित) 2011-12 में 16.2 फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3 फीसदी हो गई है। इसके अतिरिक्त विश्व बैंक ने अपनी गरीबी रेखा को संशोधित कर तीन डॉलर प्रतिदिन (2021 की कीमतों के आधार पर) कर दिया है, जिसके तहत 2022-23 में गरीबी दर 5.3 फीसदी रही। इस दौरान लगभग 26.9 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले, जो भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रगति भारत की आर्थिक नीतियों और सामाजिक कल्याण योजनाओं की सफलता को दर्शाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में कमी विशेष रूप से प्रभावशाली रही है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण अत्यधिक गरीबी 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी रह गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 10.7 फीसदी से घटकर 1.1 फीसदी रहा है। इससे ग्रामीण-शहरी गरीबी का अंतर 7.7 फीसदी से घटकर 1.7 फीसदी हो गया, जो 16 प्रतिशत की वार्षिक कमी को दर्शाता है। यह बदलाव भारत सरकार की उन योजनाओं का परिणाम है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, रोजगार और सामाजिक सेवाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित रही हैं।

विश्व बैंक की रिपोर्ट केवल आर्थिक गरीबी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के माध्यम से गैर-मौद्रिक गरीबी में कमी को भी रेखांकित करती है। एमपीआई स्वास्थ्य, शिक्षा, और जीवन स्तर जैसे कारकों को ध्यान में रखता है। 2005-06 में भारत में बहुआयामी गरीबी 53.8 फीसदी थी, जो 2019-21 तक घटकर 16.4 फीसदी और 2022-23 में 15.5 फीसदी हो गई। यह कमी दर्शाती है कि भारत न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक स्तर पर भी प्रगति कर रहा है।

गरीब आदमी तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में लगभग सार्वभौमिक कवरेज, और स्वच्छता सुविधाओं में सुधार ने इस प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उदाहरण के लिए, विश्व बैंक समूह के सहयोग से भारत सरकार का राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और छोटे उद्यमों के लिए वित्तपोषण तक पहुंच प्रदान करने में सफल रहा है। इस मिशन के तहत 16.43 करोड़ अमेरिकी डॉलर के 100,000 से अधिक ऋण महिला-स्वामित्व वाले उद्यमों को प्रदान किए गए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिला है।

भारत सरकार ने पिछले एक दशक में कई ऐसी योजनाएं लागू की हैं, जिन्होंने गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्व बैंक की रिपोर्ट में मुफ्त और रियायती खाद्यान्न हस्तांतरण, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और रोजगार सृजन योजनाओं को गरीबी में कमी का प्रमुख कारक बताया गया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए, जिससे ग्रामीण गरीबी में कमी आई। विशेष रूप से, छोटे और सीमांत किसानों की आय में 2013 और 2019 के बीच 10 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना ने गरीब परिवारों को मुफ्त चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करके स्वास्थ्य संबंधी खर्चों का बोझ कम किया।

विश्व बैंक की रिपोर्ट में रोजगार वृद्धि को भी गरीबी में कमी का एक प्रमुख कारक बताया गया है। 2021-22 से रोजगार दर में सुधार देखा गया है, विशेष रूप से महिलाओं के बीच। शहरी बेरोजगारी 2024-25 की पहली तिमाही में 6.6 फीसदी तक घट गई, जो 2017-18 के बाद सबसे कम है। स्वरोजगार, खासकर ग्रामीण श्रमिकों और महिलाओं के बीच बढ़ रहा है, जो आर्थिक आत्मनिर्भरता को दर्शाता है।

भारत की अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद लचीलापन दिखाया है। विश्व बैंक ने अपनी नेविगेटिंग द स्टॉर्म रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि 2022-23 में भारत की जीडीपी वृद्धि 6.9 फीसदी होगी, जबकि यह 7.2 फीसदी रही जो अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बहुत मजबूत है। निजी खपत और निवेश में वृद्धि साथ ही सरकार के पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के प्रयासों ने घरेलू मांग को समर्थन दिया है।

भारत ने गरीबी उन्मूलन में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद चुनौतियां कम नहीं हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि उपभोग में असमानता (गिनी सूचकांक 35 के स्तर पर) और बाल कुपोषण (35.5 फीसदी बच्चे अविकसित) अभी भी चिंता का विषय हैं। इसके अलावा श्रमबल में महिलाओं की कम भागीदारी और उच्च शिक्षा प्राप्त स्नातकों में बेरोजगारी (29 फीसदी) जैसी समस्याओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत सरकार की नीतियां और विश्व बैंक जैसे संस्थानों का सहयोग इन चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शिक्षा, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश को और बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि यह प्रगति सतत और समावेशी बनी रहे।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक स्वतंत्र चिंतक है।)

राशिफल बुधवार 18 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र रात्रि 9:45 तक, शोभन योग रात्रि 11:47 तक, गर करण प्रातः 9:50 तक, चन्द्रमा रात्रि 9:45 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 9:50 तक है। सर्वार्थ सिद्धि सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। कुमार योग रात्रि 9:45 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 8:35 से आरम्भ होगी। पंचक रात्रि 9:45 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:20 तक, लाभ अमृत 7:20 से 10:45 तक, शुभ 12:28 से 2:11 तक, चर 5:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

कन्या

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सार-समाचार

जल संरक्षण की शपथ ली

बालोतरा,(नि.सं.)। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून के अवसर पर जिला परिवहन कार्यालय, बालोतरा में पौधारोपण कर वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान की शुरूआत की गई। जिला परिवहन अधिकारी भगवान गहलोत ने बताया कि इसी कड़ी में मंगलवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जल सरंक्षण की शपथ दिलाई गई। जिसमें परिवहन निरीक्षक बगताराम, पुष्पेन्द्र शर्मा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी शंकरलाल, सहायक प्रोग्रामर चन्दन सिंह, प्रदीप चावला, सूचना सहायक पुनीत गुप्ता, सुरक्षा गार्ड कल्याणसिंह, ईश्वरसिंह, माणकचन्द, वाहन चालक गणेशीराम, भोमसिंह व फिटनेश सेंटर संचालक गणेश धतरवाल, यातायात सलाहकार वासुदेव, मुकेश पटेल, दिनेश प्रजापत, प्रदीप शर्मा, गणेश काकड़, पन्नालाल, भारमल, असरफ, खेताराम, धर्मसिंह, जगदीश उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि जिला परिवहन कार्यालय राज्य सरकार एवं विभागीय निर्देशों की अनुपालना में हमेशा अठाणी रहकर कार्य करता है। पौधारोपण के संदर्भ में मुख्यालय तथा जिला प्रशासन बालोतरा से प्राप्त विभागीय लक्ष्यों की संपूर्ण पालना हेतु विभाग प्रयासरत है।

भाजपा मंडल कार्यकारिणी गठित

धोरीमन्ना, (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ,राज्य मंत्री एवं विधायक गुडामालानी के के विश्नोई , भाजपा संगठन बालोतरा जिलाध्यक्ष भरत मोदी , महामंत्री सुखराम विश्नोई, पूर्व मंडल अध्यक्ष जयकिशन भादू सहित पार्टी के वरिष्ठजनों की अनुशंसा से मण्डल अध्यक्ष अनिल सेठिया ने नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है। जिसमे 6 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री, 6 मंत्री, 1 कोषाध्यक्ष,1 प्रवक्ता एवं 1 सह प्रवक्ता सहित 17 पदाधिकारियों व 40 सदस्यों सहित 57 लोगों की कार्यकारिणी गठित की गई है। मण्डल अध्यक्ष सहित कुल 58 लोगों के प्रतिनिधित्व से यह कार्यकारिणी गठित की गयी है यह जानकारी नवनियुक्ति मंडल महामंत्री विरेन्द्र बोला ने दी एवं सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बहुत बहुत बधाई शुभकामनाए प्रेषित की। जल्द ही मोर्चों के अध्यक्षों सहित कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

नकली जेवरात असली बताकर धोखाधड़ी

जोधपुर, (कासं)। प्रतापनगर एरिया में रहने वाले एक व्यक्ति को सुनार ने नकली जेवरात असली बताकर बेच दिए। बदले में उससे 4.85 लाख रूपए लिए। गत साल अगस्त में गहने दिए गए थे। ग्राहक ने अब जब रूपयों की जरूरत महसूस होने पर गहनों को चेक करवाया तो पता लगा कि गहने तो नकली है। पीड़ित ने अब दुकानदार सुनार के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करवाया है। पुलिस ने इस संबंध में जांच आरंभ की है। प्रतापनगर सदर पुलिस ने बताया कि 4 च 10 प्रतापनगर निवासी कन्हैयालाल पुत्र किशनलाल जीनगर ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसने गत साल अगस्त में बलदेव नगर में एक सुनार की दुकान से सोने के जेवरात खरीदे थे। दुकानदार को इसके लिए 4 लाख 85 हजार रूपए दिए गए थे। मगर अब जब गहनों का चेक करवाया तो पता लगा कि उसने सोने के बदले में नकली जेवरात थमा कर धोखाधड़ी की है। प्रतापनगर सदर पुलिस ने एक सुनार को नामजद कर अब जांच आरंभ की है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर लूटपाट

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ स्थित नांदड़ी क्षेत्र में एक चाय की थड़ी पर 15-20 युवकों ने पहुंच कर उत्पात मचाया। थड़ी संचालक से शराब के लिए रूपए मांगे। रूपए देने से इंकार किए जाने पर मारपीट की और गल्ले से रूपए के साथ चांदी की चेन लूट कर ले गए। पीड़ित ने कुछ को नामजद करते हुए बनाड़ थाने में केस दर्ज करवाया है। फिलहाल बदमाश पुलिस के हाथ नहीं लगे है। बनाड़ पुलिस ने बताया कि झालामंड स्थित बापूनगर निवासी सुजल सिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह नादड़ी अंबाजी किराणा के पास में दाता री टापरी नाम से चाय की थड़ी लगाता है। उसकी थड़ी पर विशाल और 15-20 युवक आए और शराब के लिए रूपए मांगे। रूपए दिए जाने से इंकार करने पर मारपीट की और गल्ले से रूपए के साथ चांदी के चेन चुरा ले गए। जाते हुए आरोपियों ने उसे जान की धमकीं भी दी। बनाड़ पुलिस ने बताया कि प्रकरण दर्ज किया गया है। अठिाम पड़ताल की जा रही है।

ट्यूब पंक्चर कार्य से दो बाल श्रमिक मुक्त

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने जेजे एक्ट में दो प्रकरण दर्ज करते हुए दो बालश्रमिकों को भारी कामों से मुक्त करवाया। उन्हें चाइल्ड हैल्प लाइन के मार्फत सुधार गृह भिजवाया गया। बच्चें ट्रकों की मरम्मत और टायर ट्यूब पंक्चर के कार्य में लगे हुए थे। संचालकों पर केस बनाया गया है। उदयमंदिर थाने के एसआई मनोज कुमार उम्मेद स्टेडियम के सामने एक टायर ट्यूब पंक्चर की दुकान पर पहुंचे। जहां पर एक बालक को श्रम करते पाया। इस पर बच्चें को बालश्रम से मुक्त करवाने के साथ दुकानदार समीर पुत्र कबीर मो. के खिलाफ केस दर्ज किया। इसी तरह राजीव गांधी नगर पुलिस थाने के एसआई प्रेमनाथ डालीबाई चौराहा के समीप एक ट्रकों के कारखानें में पहुंचे। जहां पर बच्चों से श्रम कराए जाने पर संचालक छोटूसिंह पुत्र नाहर सिंह के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण दर्ज किया।

आवारा पशु के सींग से एक की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के बड़ली गांव के पास में बाइक सवार दो युवक आवारा पशु के अचानक सामने आने पर अनियंत्रित होकर गिर गए। तब पीछे बैठे युवक को आवारा पशु का सींग लग गया। जिस पर वह बुरी तरह घायल हो गया। उसकी अस्पातल में उपचार के बीच मौत हो गई। मृतक के चचेरे भाई की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि आसोप के रामपुरा गांव के रहने वाले रामकिशोर पुत्र रामलाल जाट ने बताया कि वह अपने चचेरे भाई 27 वर्षीय महेंद्र पुत्र जगराम जाट के साथ बाइक पर बड़ली गांव से निकल रहा था। तब अचानक से एक आवारा पशु आ गया और वे दोनों गिर गए। इस बीच आवारा पशु का सींग बाइक पर पीछे बैठे महेंद्र को लग गया और वह बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर गए, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। राजीव गांधी नगर पुलिस ने शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया।

जनरल राठी ने संभाली कोणार्क कोर

जोधपुर, (कासं)। लेफ्टिनेंट जनरल एवीएस राठी ने मंगलवार को कोणार्क कोर के 28वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा से कार्यभार ग्रहण किया। लेफ्टिनेंट जनरल एवीएस राठी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने अपने 34 साल के सेवा करियर के दौरान प्रतिष्ठित कमांड और स्टाफ नियुक्तियां संभाली हैं। जनरल ऑफिसर को भारत और विदेशों में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा करने का गौरव प्राप्त है, उन्होंने सभी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कोणार्क कोर की कमान संभालने के अवसर पर उन्होंने जोधपुर युद्ध स्मारक पर अपने कर्तव्य के दौरान वीरता दिखाने वाले वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा सभी रैंकों से जोश और उत्साह के साथ पेशेवर उत्कृष्टता की दिशा में काम करते रहने का आहवान किया।

मानसिक अस्वस्थ युवक ने लगाया फंदा

जोधपुर, (कासं)। मानसिक अस्वस्थता के चलते एक युवक ने अपने घर कमरें में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके चाचा की तरफ से राजीव गांधी नगर थाने में मर्ग में रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने बताया कि बेरू बीरमनगर निवासी हड़मान पुत्र शिवाराम मेघवाल ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका भतीजा 28 वर्षीय बालकिशन पुत्र भंवरलाल मानसिक रूप से अस्वस्थ था। जिसके चलते उसने अपने घर में एक कमरें में फंदा लगाकर जान दे दी। हालांकि परिजन को पता लगने पर उसे फंदे से उतार कर अस्पताल लेकर आए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया।

फैक्ट्री के सामने मूर्छित मिले वृद्ध की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री के सामने वृद्ध मूर्छित अवस्था में मिला। बाद में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, मगर उसकी मौत हो गई। पुत्र ने पहचान की और थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी। बोरानाडा पुलिस ने बताया कि मूलतः उत्तरप्रदेश के देवरिया हाल सोलंकी मार्केट के पीछे रहने वाला 59 वर्षीय महातम पुत्र तिलक चौहान 15 जून को एक फैक्ट्री के सामने मूर्छित अवस्था में पड़ा था। संभवतः गर्मी से उसकी तबीयत बिगड़ गई होगी। इस पर उसे मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मगर उसकी बाद में मौत हो गई। उसके पुत्र प्रवीण चौहान ने पहचान की और मर्ग में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

मंत्री कुमावत ने जालीपा अमृत सरोवर में पूजन, श्रमदान व पौधारोपण किया

बाड़मेर, (नि.सं.)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान से प्रदेश की तस्वीर बदलेगी। इसके जरिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण की परंपरा का पुर्नजीवित करने की अभिनव पहल की है। इस अभियान में आमजन की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाए। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं बाड़मेर जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को जालीपा ग्राम पंचायत में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत अमृत सरोवर पूजन, श्रमदान एवं पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूर दृष्टि का परिणाम है। इसका उद्देश्य जल स्त्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को केवल एक सरकारी गतिविधि नहीं मानकर, एक जन आंदोलन के रूप में देखा जाना चाहिए। इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। स्वच्छ एवं संरक्षित जल स्त्रोत ही भावी पीढ़ियों की जल सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि तालाबों, नदियों, जल, पृथ्वी, पीपल, तुलसी समेत विभिन्न पेड़ों का पूजन हमारी पुरातन परंपरा रही है। इसी परंपरा को जीवित रखने के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत 5 जून से पूरे प्रदेश में अभियान चलाया गया है। इसके तहत जन भागीदारी के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। अमृत सरोवरों के पूजन, श्रमदान के साथ पौधारोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन संभव नहीं है। प्रभारी मंत्री कुमावत ने जल संरक्षण के लिए पारंपरिक पद्धितयों के जीर्णोद्धार और जल संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आहवान करते हुए कहा कि इस अभियान से आमजन को जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत कराने जाने वाले कार्यों के परिणाम धरातल पर नजर आने चाहिए।

बाड़मेर जिला प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने जालीपा मे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत अमृत सरोवर पूजन, श्रमदान एवं पौधारोपण कार्यक्रम में भागीदारी की। फोटो-राष्ट्रदूत

कुमावत ने जल संरक्षण को मौजूदा समय की जरूरत बताते हुए कहा कि जल ही जीवन है और हमें अपनी भावी पीढ़ियों के लिए इस अनमोल संसाधन को बचाना होगा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने राज्य सरकार की ओर से जल संरक्षण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समाजसेवी अनंतराम विश्नोई ने कहा कि जल संरक्षण की पुरातन परंपराओं को पुर्नजीवित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बाड़मेर जिले के लोग वास्तविक रूप से पानी की कीमत पहचानते है। उन्होंने आधुनिकता की दौड़ की पर्यावरण की अनदेखी से जुड़े विविध पहलूओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें अधिकाधिक पौधारोपण करना होगा।

उन्होंने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में आमजन से भागीदारी निभाते हुए पौधारोपण करने एवं उसके पेड़ बनने तक सार संभाल करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि पेड़ों की रक्षा के लिए अमृता देवी ने अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि पानी के महत्व को नहीं भूले और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रकृति की इस अनमोल विरासत को सहेज कर रखें।

कार्यक्रम के दौरान बाड़मेर विधायक डॉ. प्रियंका चौधरी, जिला कलक्टर टीना डाबी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, समाजसेवी दीपक कड़वासरा, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के संयोजक वीरसिंह भाटी, देवीलाल कुमावत, सांगाराम जांगिड़, खुमानसिंह सोढ़ा, महावीरसिंह चूली, उपखंड अधिकारी वीरमाराम, परियोजना अधिकारी जीयाराम, विकास अधिकारी प्रदीप इनाणिया, नीतू व्यास, सरपंच श्रीमती सोनू कंवर समेत विभिन्न जन प्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी, कार्मिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत उदबोधन में अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि बाड़मेर जिले में इसको लेकर जन भागीदारी के साथ वृहद स्तर पर गतिविधियों का आयोजन किया गया है। भू संरक्षण एवं जलठाहण विभाग के अधीक्षण अभियंता फरसाराम गौड़ ने अतिथियों का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत बाड़मेर जिले में वृहद स्तर पर जल एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इस दौरान उपस्थित जन समुदाय को जल एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन ओम जोशी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में पंडित सुनील दवे ने प्रभारी मंत्री जोराराम एवं अन्य अतिथियों की उपस्थिति में अमृत सरोवर पूजन को संपादित करवाया। इस दौरान प्रभारी मंत्री, जिला कलक्टर समेत अन्य अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत, जिला कलक्टर टीना डाबी समेत जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों, कार्मिकों एवं गणमान्य नागरिकों ने जालीपा नाडी पर श्रमदान के जरिए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में आमजन की भागीदारी का संदेश दिया।

जालीपा अमृत सरोवर तालाब पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बड़ी तादाद में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रही। उन्होंने जल संरक्षण एवं पौधारोपण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का भरोसा दिलाया।

बाड़मेर कोतवाली थानाधिकारी समेत कार्मिकों के विरूद्ध कार्रवाई

बाड़मेर, (कासं)। राजकार्य में लापरवाही बरतने पर बाड़मेर कोतवाली थानाधिकारी समेत 4 पुलिस कर्मियों के विरुद्ध 17 सीसीए के तहत विभागीय कार्यवाही की गई है।

- **राजकार्य में लापरवाही बरतने पर 17 सीसीए के तहत कार्रवाई**

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि गत 2 जून को पुलिस थाना कोतवाली के हल्का क्षेत्र मे नगरपरिषद द्वारा स्टेशन रोड मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकानदारों द्वारा विरोध करने की सूचना पर थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली बलभद्र सिंह द्वारा थाने से पर्याप्त पुलिस जाब्ता नहीं भेजकर उप निरीक्षक लिच्छाराम के साथ कॉन्स्टेबल सोनाराम को सरकारी वाहन मय ड्राइवर हैड कांस्टेबल चुतराराम को भेजा गया। उप निरीक्षक लिछाराम मय जाब्ता द्वारा मौके पर पहुंचकर विरोध करने वाले लोगो को समझाने व हटाने का कोई प्रयास नहीं किया तथा मूकदर्शक बनकर वाहन में ही बैठे रहे। भीड़ द्वारा पुलिस का विरोध करते हुए पुलिस वाहन की चाबी निकालने का वीडियो वायरल हुआ जिससे पुलिस की छवि धुमिल हुई। वायरल वीडियो को गम्भीरता से लेते हुए इसकी जांच वृताधिकारी वृत बाड़मेर रमेश कुमार शर्मा से करवाने पर थानाधिकारी व मौके पर गये पुलिस जाब्ते की लापरवाही पाई जाने पर थानाधिकारी बलभद्र सिंह, उप निरीक्षक लिच्छाराम, कांस्टेबल सोनाराम व हेड कांस्टेबल चुतराराम, ड्राइवर के विरूद्ध नियम 17 सीसीए रूल्स के तहत विभागीय कार्यवाही प्रस्तावित की गई है।

'शीघ्र मिलेगी अनुदान राशि'

बालोतरा, (नि.सं.)। प्राकृतिक आपदा सूखा खरीफ फसल संवत् 2080 में सूखे से प्रभावित राजस्व ग्राम जिनमें 33 प्रतिशत से अधिक फसल खराबा हुआ है ऐसे जिले में 53 हजार से अधिक किसानों का 73.16 करोड़ का आदान अनुदान राशि का भुगतान शीघ्र ही उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से जमा होगा। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने बताया कि खरीफ फसल संवत 2080 (वर्ष 2023) के अभावठास्त कृषकों को भुगतान किए जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में 39 बिल बनाकर कोषालय को प्रेषित किए है। जिले में कुल 53,910 काश्तकारों को 73,16,29,258 करोड़ की कृषि आदान-अनुदान राशि का भुगतान शीघ्र ही उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि आदान-अनुदान के भुगतान को लेकर किसी काश्तकार को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। कही भी किसी प्रकार के आवेदन करने की जरूरत नहीं है।

पाली के ढाबर में एक साथ उठी चार अर्थी

पाली, (नि.सं.)। पाली के निकट स्थित ढाबर गांव में आज सुबह एक साथ चार अर्थियां उठीं जिससे पूरा गांव गमगीन हो उठा।

मंगलवार सुबह जब भरत, मदन, राकेश और विनोद की अर्थी गांव में एक साथ निकली तो हर आंख नम नजर आई। चारों युवकों अंतिम यात्रा में पूरा गांव उमड़ गया। डाबर गांव के चार युवाओं की एक साथ हुए अकाल मौत से पूरे गांव में सन्नाटा छाया हुआ है। वहीं इन चारों मृतकों के घरों में परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और उनकी आंखों से निकल रहे आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे जिसके चलते ग्रामीण इन्हें सांत्वना देने में लगे है। आज सुबह जब इन चारों युवकों का एक साथ गांव के श्मशान में अंतिम संस्कार किया गया तो पूरा गांव यहां मौजूद रहा और हर कोई गमजदा दिखा।

गौरतलब है कि पाली जिले के रोहट तहसील के ढाबर गांव के मूल निवासी पेमाराम राठौड़ करीब डेढ़ दशक से हैदराबाद के चिंतल दिलखुश नगर में रह रहे है जहां उनका राधा कृष्ण ट्रेडर्स के नाम से व्यवसाय है।

मृतकों में तीन युवक राकेश, मदन और भरत सगे भाई है जबकि विनोद इनका मौसेरा भाई है। 15 जून को सोनादेवी अपने तीन बेटे मदन, भरत, राकेश और बहन के लड़के विनोद और पड़ोसियों के साथ तेलंगाना के बसारा सरस्वती पूजन के लिए गए थे। जहां नदी में डूबने से मदन, भरत, राकेश, विनोद और रितिक की मौत हो गई थी।

पेमाराम के तीनों बेटे डॉक्टर बनना चाहते थे और पढ़ाई में होशियार थे बड़े-बड़े राकेश ने हाल ही में नेट ग क्वालीफाई की है जबकि छोटे बेटे भरत राठौड़ ने जिले में दसवीं बोर्ड परीक्षा में टॉप किया था।

मदन राठौड़ 12वीं में पढ़ता था। तीनों सगे भाई और चौथा मौसेरा भाई भी डॉक्टर बनना चाहता था।

नवीन प्रवेश प्रक्रिया में संशोधन

जालोर, (कासं)। वीर वीरमदेव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जालोर में नए प्रवेष प्रक्रिया के पूर्व में घोषित कार्यक्रम में संषोधन हुआ है।

वीर वीरमदेव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जालोर के प्राचार्य अर्जुन सिंह उज्ज्वल ने बताया कि आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 स्नातक (सेमेस्टर प्रथम) के लिए ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि पहले 16 जून थी, जो संशोधित कर 20 जून कर दी गई है। अब विद्यार्थी स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए 20 जून तक आवेदन कर सकते हैं। 21 जून को प्राप्त आवेदनों की महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन सत्यापन होगा। उन्होंने अंतिम वरीयता सूची व प्रतीक्षा सूची का प्रकाषन 23 जून को किया जायेगा। अभ्यर्थियों द्वारा महाविद्यालय में दस्तावेज सत्यापन एवं ई-मित्र पर शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 26 जून है। प्रथम सूची का प्रकाषन 28 जून को होगा।

दो बीमा कंपनियों पर हर्जाना, बीमा दावा राशि कटौती सेवा में कमी माना

जोधपुर, (कासं)। मेडीक्लेम बीमा पॉलिसी में दो गृहिणियों के परिवाद मंजूर कर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग,जोधपुर द्वितीय ने व्यवस्था दी है कि मेडीक्लेम बीमा पॉलिसी की अस्पष्ट शर्तों के आधार पर दावा राशि में की गई कटौती बीमा कंपनी की सेवा में कमी और त्रुटि है।

आयोग अध्यक्ष डॉ. यतीश कुमार शर्मा और सदस्य डॉ. अनुराधा व्यास ने नेशनल इंश्योरेंस तथा आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी पर क्रमशः 15 हजार और 20 हजार रुपए हर्जाना लगाते हुए दस दस हजार रुपए परिवाद व्यय तथा बकाया दावा राशि का 30 दिन में भुगतान करने का आदेश दिया है। पहले मामले में प्रमिला ने कहा कि सर्जरी होने पर उन्होंने 2 लाख 96 हजार 553 रुपए का दावा नेशनल इंश्योरेंस में पेश किया, लेकिन बीमा कंपनी ने मनमाने रूप से 36 हजार 888 रुपए की कटौती कर दी। बाद में थैरेपी व्यय के 45 हजार रुपए के अन्य दावे को यह कहकर नकार दिया कि चिकित्सकीय फीस की व्यय सीमा अदा की जा चुकी है। जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए कहा कि थैरेपी डे केयर प्रक्रिया है, जिसमें मशीन, उपकरण और दवाई का उपयोग किया जाता है, जो कदापि डॉक्टरी फीस की श्रेणी में नहीं आती है। उन्होंने अस्पष्ट शर्तों के आधार पर दावा राशि में कटौती को सेवा में कमी और त्रुटि मानते हुए नेशनल इंश्योरेंस कंपनी पर 15 हजार रुपए हर्जाना और 10 हजार रुपए परिवाद व्यय लगाते हुए बकाया दावा 81 हजार 888 रुपए मय ब्याज 30 दिन में अदा करने का आदेश दिया।

दूसरे परिवाद में कविता ने कहा कि उनकी सर्जरी होने पर उन्होंने 5 लाख 31 हजार 109 रुपए का दावा पेश किया, लेकिन आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने यह कहते हुए 2 लाख 41 हजार 312 रुपए की कटौती कर दी कि मुंबई के निजी अस्पताल ने युक्तियुक्त राशि नहीं लेकर अत्यधिक शुल्क लिया है। परिवादी की ओर से बहस की गई कि बीमा पॉलिसी में अमुक राशि ही दी जाएगी, ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

जिला आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए कहा कि बीमा पॉलिसी में युक्तियुक्त व्यय की न तो कोई व्याख्या की गई है और न व्यय सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि दावा कटौती करने से पहले न तो अस्पताल से और न ही परिवादी से कोई पूछताछ की गई। उन्होंने पारदर्शिता के अभाव में इसे सेवा में त्रुटि मानते हुए बीमा कंपनी पर 20 हजार रुपए हर्जाना और 10 हजार रुपए परिवाद व्यय लगाते हुए बकाया दावा राशि 2 लाख 41 हजार 312 रुपए 30 दिन में अदा करने का बीमा कंपनी को आदेश दिया। दोनों ही परिवाद में परिवादी की ओर से अधिवक्ता अनिल भंडारी ने बहस की।

जल संरक्षण के माध्यम से पेयजल समस्या को दूर करें : रंजीता रश्मि

जालोर, (कासं)। जल शक्ति अभियान-कैच द रेन 2025 की केंद्रीय नोडल अधिकारी एवं गृह मंत्रालय, भारत सरकार में निदेशक रंजीता रश्मि की अध्यक्षता में मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में जल शक्ति अभियान-कैच द रेन 2025 एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना व एआईबीपी के अंतर्गत योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान केंद्रीय नोडल अधिकारी रंजीता रश्मि ने जिले में संचालित हर घर जल-जल जीवन मिशन के अंतर्गत नर्मदा नहर परियोजना के एफआर, डीआर, इआर एवं सीलु-जैसला-भाटकी प्रोजेक्ट के प्रगतिरत कार्यों, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों तथा संस्थागत भवनों यथा स्कूल, आंगनबाड़ी, ग्राम पंचायत, हेल्थ सेंटर को दिए गए पेयजल कनेक्शन के बारे में जानकारी लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को जल जीवन मिशन के तहत शेष रहे कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने वन विभाग की तरफ से जिले में संचालित वृक्षारोपण कार्यों, जल संरक्षण कार्यों तथा मिशन हरियालो राजस्थान की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करवाने की बात कही। उन्होंने जालोर शहर स्थित सुंदेलाव तालाब के सौंदर्यकरण, साफ-सफाई हेतु भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत जिला परिषद की तरफ से करवाए जा रहे विभिन्न कार्यों- केटल शेड निर्माण, टांका निर्माण, फॉर्म पोंड निर्माण, रूफटॉप रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी जल संरक्षण कार्यो को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करें।

जालोर के कलेक्ट्रेट सभागार में जल शक्ति अभियान के केन्द्रीय नोडल अधिकारी व गृह मंत्रालय में निदेशक रंजीता रश्मि ने अधिकारियों की बैठक ली। फोटो-राष्ट्रदूत

रंजीता रश्मि ने मानसून के दौरान वर्षा के जल को सहेज कर रखने तथा भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की बात कही। जिसके फलस्वरूप जिले के नागरिकों को पेयजल समस्या से मुक्ति मिले। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ प्रदीप के गावंडे, सीडब्लूसी जयपुर के निदेशक अभिषेक गुप्ता, केन्द्रीय भू-जल ब्यूरो के वैज्ञानिक घनश्याम तिवारी, अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेश मेवाड़ा, जिला परिषद के सीईओ नंदकिशोर राजोरा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वही जल शक्ति अभियान-कैच द रेन 2025 की केंद्रीय नोडल अधिकारी एवं गृह मंत्रालय, भारत सरकार में निदेशक रंजीता रश्मि ने मंगलवार को जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के जल शक्ति केन्द्र का अवलोकन कर संचालन व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी लेकर कार्मिकों को अद्यतन डाटा अपडेशन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

इसके उपरांत उन्होंने जागनाथजी स्थित फॉरेस्ट एनिकट का अवलोकन कर वन विभाग द्वारा किए जा रहे जल संरक्षण एवं भू-सुधार के प्रयासों, पौधारोपण एवं निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी ली। केन्द्रीय नोडल अधिकारी ने उम्मेदाबाद में निर्मित ओवरहेड वॉटर टैंक व जीएलआर के निर्माण कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने ऐलाना ग्राम में ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में बताते हुए उन्हें वर्षा जल के संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

इस दौरान सीडब्लूसी जयपुर के निदेशक अभिषेक गुप्ता, केन्द्रीय भू-जल ब्यूरो के वैज्ञानिक घनश्याम तिवारी, पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता संजय शर्मा, अधिशासी अभियंता श्यामबिहारी बैरवा, जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता विजेश बालेसा उपस्थित रहे।

वहीं जल शक्ति अभियान की केन्द्रीय नोडल अधिकारी गृह मंत्रालय की निदेशक जालोर दौरे पर रहकर अधिकारियों की बैठक लेकर जल संरक्षण पर चर्चा की तथा सुन्देलाव तालाब के विकास की बात कही, लेकिन धरातल पर सुन्देलाव तालाब की जानकारी लेकर निदेशक तालाब का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश देती तो तालाब का कुछ कायाकल्प जरुर होतों हमेशा तालाब के सौन्दर्यकरण को लेकर करोडो रुपये का बजट आता है तथा वह बजट कागजों में सिमट कर रह जाता है। शहरवासी तालाब के सौन्दर्य को लेकर कई वर्षौं से तरस रहे है।

ऐसे में निदेशक का जिला मुख्यालय पर उपस्थित होने के बावजूद तालाब का निरीक्षण नहीं करना चर्चा का विषय बना रहा।

समीक्षा बैठक कल

जालोर, (कासं)। कलेक्ट्रेट कार्यालय के भारत निर्माण सेवा केन्द्र पर वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं की समीक्षा बैठक तथा जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की जायेगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेश मेवाड़ा ने इस संबंध में बताया।

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर जालोर (राज.)

क्रमांक / लेखा / बोली / 2025 /641 दिनांक :- 17/06/2025

::- खुली बोली दर आंमत्रण सूचना ::-

कार्यालय जिला कलक्टर , जालोर के लिए निम्नाकित सामग्री आपूर्ति / व्यवस्था / सेवा कार्यो हेतु इच्छूक एवं योग्य बोलीदाताओं से सील बंद लिफाफे में बोली दर निर्धारित प्रपत्र में आमत्रित की जाती है ।

क्र सं.	विवरण	अनुमानित लागत	बोली प्रतिभूति राशि	बोली प्रपत्र विक्रय की अंतिम दिनांक व समय	बोली प्रपत्र जमा करने की अंतिम दिनांक व समय	बोली प्रपत्र खोलने की दिनांक व समय
1	फोटो कॉपी एव अन्य संबधित कार्य	250000/-	5000/-	24.06.2025 12:00 PM	24.06.2025 1:00 PM	24.06.2025 3:00 PM
2	कार्यालय स्टेशनरी आपूर्ति	200000/-	4000/-	24.06.2025 12:00 PM	24.06.2025 1:00 PM	24.06.2025 3:00 PM

उक्त बोली के संबंध में अन्य शर्ते / दस्तावेज राज्य लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है । **NIB Code - CJL2526A0006**

अतिरिक्त जिला कलक्टर
जालोर

पावटा-प्रागपुरा पालिका ई.ओ. फतेह सिंह के कई ठिकानों पर ए.सी.बी. ने छापा मारा

जयपुर शहर, पावटा, शाहपुरा, कोटपुतली, थानागाजी, विराटनगर में विभिन्न ठिकानों एवं कार्यालयों पर ब्यूरो की एक दर्जन टीमों ने छापेमारी शुरू की

पावटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी ने "ऑपरेशन मनी मिंटिंग" के तहत नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा के अधिशाषी अधिकारी फतेह सिंह मीणा और अन्य के खिलाफ मंगलवार अलसुबह संदिग्ध ठिकानों जयपुर शहर, पावटा, शाहपुरा, कोटपुतली, थानागाजी, विराटनगर में विभिन्न ठिकानों एवं कार्यालयों पर ब्यूरो की एक दर्जन टीम द्वारा छापेमारी शुरू कर आय से अधिक संपत्ति की जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में फतेह सिंह के पास आय से 273 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने का खुलासा हुआ है। यह मामला आय से 273 प्रतिशत से अधिक संपत्ति अर्जित करने से जुड़ा है। एक गोपनीय शिकायत के बाद एसीबी ने जांच करवाई, जिसमें ईओ फतेह सिंह मीणा पर आय से अधिक संपत्तियां जुटाने के सबूत मिले हैं। इसके बाद एसीबी ने ईओ के कई ठिकानों पर छापेमारी की व तलाशी ली एवं दस्तावेज खंगाले। एसीबी के डीआईजी राजेश सिंह के सुपरविजन में इस ऑपरेशन का नेतृत्व एसीबी सवाई माधोपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी कर रहे हैं।

एसीबी की टीम ने ईओ फतेह सिंह मीणा से पूछताछ की।

एसीबी प्रवक्ता ने बताया कि सूत्रों एवं गोपनीय सत्यतापन से संदिग्ध अधिकारी द्वारा राजकीय सेवा में नियुक्त होने से अब तक 273 प्रतिशत से अधिक परिसंपत्तिया अर्जित करना प्रकट हुआ है। तलाशी के दौरान उक्त अधिकारी के जयपुर स्थित जगतपुरा में दो लग्जरी फ्लैट, जिनकी कीमत लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपए में

- **प्रारंभिक जांच में ईओ फतेह सिंह के पास आय से 273 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने का खुलासा हुआ है**
- **जांच पूरी होने के बाद ईओ फतेह सिंह पर भ्रष्टाचार और बेनामी संपत्ति के मामलों में केस दर्ज होने की संभावना, कार्रवाई जारी**

क्रय करना, नीमकाथाना के दीपावास में 1.05 हेक्टेयर भूमि खरीद करना, अलवर के थानागाजी के गढ़ बसई में एक परिचित के नाम पर लगभग 15 बीघा भूमि खरीदकर एक फार्म हाउस विकसित करने में लगभग 80 लाख रुपए का बेनामी निवेश करने का पता चला है। जिस पर ब्यूरो टीम द्वारा जगतपुरा, जयपुर में फ्लैट नंबर ई-503, 504 त्रिमूर्ति ऐरेना, अलवर के थानागाजी के ग्राम इंडोक में सरिस्का पैलेस के पास संदिग्ध अधिकारी का निवास स्थान, अलवर के थानागाजी के गढ़ बसई में खसरा नंबर 95, 97, 98, 100, 103 पर संदिग्ध अधिकारी का फार्म हाउस, कोटपूतली में 4-बी 14, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में संदिग्ध अधिकारी के करीबी प्रमोद कुमार वर्मा का निवास स्थान, जयपुर के शाहपुरा में वार्ड नंबर 3, हनुमान बगीची के पास, अजीतगढ़ रोड पर संदिग्ध अधिकारी के करीबी कैलाश गुर्जर का निवास स्थान, पावटा में अमृत पब्लिक स्कूल के पास, डॉ. अजय दायमा के मकान के पीछे संदिग्ध अधिकारी का किराए का मकान, नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा में अधिशाषी अधिकारी का कार्यालय कक्ष व अन्य संबंधित स्थान पर सर्च ऑपरेशन चलाया।

एसीबी की कार्रवाई में डीएसपी रविंद्र सिंह और इंस्पेक्टर गंभीर सहित दो दर्जन से ज्यादा अधिकारी शामिल रहे। फतेह सिंह मीणा के खिलाफ दस्तावेजों की जांच की जा रही है। छापेमारी के दौरान जयपुर से लेकर अलवर तक कई बेनामी निवेशों और संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिली है। नगरपालिका पावटा और विराटनगर के साथ-साथ थानागाजी के उप-पंजीयक कार्यालय से भी महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद फतेह सिंह पर भ्रष्टाचार और बेनामी संपत्ति के मामलों में केस दर्ज होने की संभावना है। कार्रवाई अभी जारी है। यह ऑपरेशन भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और सरकारी सेवा में अवैध संपत्ति अर्जित करने वालों पर नकेल कसने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एसीबी ने फतेह सिंह मीणा के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी है और आगे की जांच की जा रही है।

उदयपुर में बूंदाबांदी से गर्मी से राहत मिली

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में मंगलवार सुबह से ही बादल छाए रहे और मौसम में ठंडक रही। शहर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई है। बादलों के बीच हिरणमगरी क्षेत्र में बूंदाबांदी भी हुई। मौसम ठंडा होने और हवा चलने से गर्मी से राहत मिली है। मौसम में हुए बदलाव से तपन से भी लोगों को राहत मिली और दिन का अधिकतम तापमान कम भी हुआ।

डबोक स्थित मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को न्यूनतम 25.4 तथा अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर मौसम केंद्र ने आज उदयपुर जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जिले में बारिश का अलर्ट है। इसी प्रकार उदयपुर संभाग के राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा और डूंगरपुर में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान अनुसार अब कुछ ही घंटो बाद मानसून कभी भी मेवाड़ के रास्ते राजस्थान में दस्तक दे सकता है। मानसून पिछले कई दिनों से एक ही जगह अटका हुआ था, लेकिन पिछले 24 घंटों में मानसून ने फिर से गति पकड़ी है और राजस्थान बॉर्डर के बहुत करीब पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 4-5 दिन उदयपुर व कोटा संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में चित्तौड़ में 50, गंगरार 50,भदेसर 50, वल्लभनगर 20, बावलवाड़ा 45, कुंभलगढ़ 30, देवगढ़ 20,आमेट 20, सागवाड़ा 20,घाटोल 20 और मावली क्षेत्र के बड़गांव में 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड सलुम्बर

क्रमांकः टी.एस./निविदा फाईल/2025-2026/डी-491-497 दिनांक-02.06.2025

निविदा संख्या-10/2025-2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान सरकार के पात्र श्रेणी के संवेदकों एवं केन्द्रीय सरकार / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।

कार्य का विवरण	6-कार्य
अनुमानित लागत (लाखों में)	240.00 Lacs
निविदा विक्रय दिनांक	दिनांक 09-06-2025 से दिनांक 18-06-2025
निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 19-06-2025 सायं 4.00 बजे से

NIB-PWD2526A1009, UBN-PWD2526WSOB03302, PWD2526WSOB03303 PWD2526WSOB03304, PWD2526WSOB033005 PWD2526WSOB03306, PWD2526WSOB033007

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सलुम्बर

DIPR/C/7468/2025

मेड़ता पालिका के उपचुनाव में उपाध्यक्ष पद पर भाजपा की शोभा लाहोटी विजयी

शोभा लाहोटी मेड़ता पालिका उपाध्यक्ष बनीं, लाहोटी ने 21 मत प्राप्त किए

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता नगर पालिका के उपचुनाव में उपाध्यक्ष पद पर भाजपा प्रत्याशी शोभा लाहोटी ने बाजी मारी। मेड़ता नगरपालिका उपचुनाव में उपाध्यक्ष पद हेतु चुनाव कराए गए जिसमें भाजपा की प्रत्याशी रही शोभा लाहोटी ने 21 मत प्राप्त करके बाजी मारी। वही को कांग्रेस के प्रत्याशी रहे पार्षद सुनील पंवार ने 17 मत प्राप्त किए।

मेड़ता विधायक लक्ष्मण कलरू ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा आमजन की सरकार रही है। वही जनता का साथ हमेशा मिलता रहा और हमें और पूरी पार्टी को विश्वास था उपाध्यक्ष पद पर भाजपा का कमल ही खिलेगा। विधायक कलरू ने बताया उपचुनाव में उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुए जिसमें पार्षद शोभा लाहोटी को 21 मत, कांग्रेस के सुनील पंवार को 17 मत प्राप्त हुए जिसमें भाजपा ने 5 मत से जीत प्राप्त की।

उपचुनाव के बाद जीत की विक्ट्री दिखाते मेड़ता विधायक लक्ष्मण कलरू।

लाहोटी के जीतने पर भाजपा कार्यकताओं व जनता में खुशी की लहर है। लाहोटी के जीतने पर माला पहना कर अभिनंदन किया गया। वहीं मेड़ता उपखंड अधिकारी व चुनाव प्रभारी पूनम चोयल ने बताया कि चुनाव से पूर्व प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल किए और जांच किए उनके बाद चुनाव प्रकिया को सम्पन्न कराया गया और जीत की घोषणा की। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष रामधन पोटलिया, वरिष्ठ नेता पुखराज पहाड़िया, जनता प्रधान संदीप चौधरी, लक्ष्मीनारायण मुंडेल, पवन परताना, रामसुख मुंशी, त्रिभुवन जोशी, रामेश्वर घांची, राजू माली, इस्लाम पठान, दिलीप टाक, गणपत पडियार, महेश प्रजापत व गजेंद्र सिंह सहित कई भाजपा नेता व कार्यकर्ता व नगरपालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

होटल में आग लगने से महिला की मौत का मामला उलझा

श्रीगंगानगर, (निसं)। रविंद्र पथ पर होटल में आग लगने से हुई मौत के मामले में मृतका की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार कमरे से दो-तीन ऐसी वस्तुएं मिली है, जिनसे महिला की पहचान संभव है। पुलिस इनके आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

सीओ सिटी बी. आदित्य ने बताया कि घटनास्थल की गहनता से जांच की गई है। उम्मीद है कि जल्द ही महिला की पहचान हो जाएगी। मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और सभी एंगल से घटना की जांच की जा रही है। इधर, शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। महिला की शिनाख्त होने पर परिजनों को सूचित कर पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। गौरतलब है कि होटल के कमरा नंबर 308 में आग लगने से एक महिला की मौत हो गई थी। आग की जानकारी मिलने पर होटल स्टाफ ने इसे बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद दमकल भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। इस संदिग्ध मौत को प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना माना जा रहा है लेकिन महिला द्वारा गलत आईडी के आधार पर रुकने की पहेली ने मामले को उलझा दिया है। ऐसे में महिला की शिनाख्त होने पर ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

- **महिला द्वारा गलत आईडी पर रुकने की पहेली ने मामले को उलझाया**

पुलिस जांच में पता चला कि होटल में पहचान के लिए दिया गया आधार कार्ड किसी अन्य महिला का है। मृतका ने होटल में रुकने के लिए इसी आधार कार्ड का उपयोग क्यों किया, पुलिस इस पहेली को सुलझाने में लगी है। मृतका की ओर से होटल के रजिस्टर में लिखवाया गया मोबाइल नंबर भी स्विच ऑफ है। ऐसे में आशंका है कि रजिस्टर में मोबाइल नंबर भी गलत हो सकता है। हालांकि मृतका के कमरे से एक मोबाइल फोन मिला था, जो जल चुका था। उस मोबाइल फोन से भी किसी तरह की जानकारी नहीं मिली है। एफएसएल टीम इस फोन को कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-करौली

क्रमांक :- Rajkaj-901-921 दिनांक :- 30.05.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण/ डाक एवं दुर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदको जो कि राज्य सरकार के ए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओ से संबंधित विवरण बेवसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE PWD2526A0944
UBN No. 1. PWD2526WSOB03057, 2. PWD2526WSOB03058, 3. PWD2526WSOB03059 PWD2526WSOB03060, PWD2526WSOB03061, PWD2526WSOB03062 PWD2526WSOB03063, PWD2526WSOB03064

(चन्द्र प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड करौली

DIPR/C/7472/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांकःअअ/सांचौर/2024-25/469 दिनांकः 04.06.2025

निविदा सूचना संख्या : 03/2025-26

NIB No.: PWD2526A1128

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर विभिन्न सड़कमरम्मत कार्य (वार्षिक दर अनुबंध) हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 100.00 लाख है।

निविदा आवेदन	10 जून 2025, 9:30 बजे से 19 जून 2025, सांय 6:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

UBN No.- PWD2526WSRC03816, PWD2526WSRC03817, PWD2526WSRC03818 PWD2526WSRC03819, PWD2526WSRC03820

(प्रदीप पंवार)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/7721/2025

दहेज हत्या के मामले में 10 साल की कैद

बीकानेर, (निसं)। अपर सत्र न्यायाधीश (महिला उत्पीड़न) रैना शर्मा ने दहेज हत्या के मामले में आरोपी को दोषी मानकर 10 साल के कठोर कारावास और 11,000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोपी ने यूपी में युवती को घर से भगाकर निकाह किया और बीकानेर में रहने लगा था।

यूपी के बिजनौर में नहटौर निवासी कमरजहां खातून ने 21 अगस्त, 2020 को महिला थाने में रिपोर्ट दी थी कि मोहम्मद समीर 18 जून, 2020 को उसकी पुत्री चांदनी को घर से भगा ले गया और निकाह कर लिया। बाद में उसे लेकर बीकानेर आ गया और यहां माता-पिता, भाई के साथ रहने लगा। ससुरालवाले उसे दहेज के लिए तंग-परेशान और मारपीट करने लगे। 16 अगस्त, 2020 को चांदनी ने अपनी बड़ी बहन शबाना को फोन कर इसकी जानकारी दी। 20 अगस्त को चांदनी की मौत हो गई। दहेज के लिए उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में जांच कर आरोपी को गिरफ्तार किया और कोर्ट में चालान पेश कर दिया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई कर आरोपी को दोषी माना और 10 साल के कठोर कारावास और 11000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह राशि जमा नहीं कराने पर आरोपी को 4 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

रेल पटरियों के बीच युवक का शव मिला

नसीराबाद, (निसं)। रेलवे स्टेशन के समीप अजमेर की दिशा में रेलवे पटरियों के बीच एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही जीआरपी (रेलवे सुरक्षा बल) मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर राजकीय चिकित्सालय के चीरघर में सुरक्षित रखवाया। पुलिस ने शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू करते हुए मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

जीआरपी के वृत्त निरीक्षक फूलचंद ने बताया कि मृतक की पहचान ग्राम थांदला, जिला झाबुआ (मध्य प्रदेश) निवासी 20 वर्षीय हिमांशु के रूप में हुई है। युवक अजमेर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वह नसीराबाद कैसे पहुंचा। पुलिस के अनुसार, युवक का शव रेलवे पटरियों के बीच उलटा पड़ा हुआ था और उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। इसी कारण मेडिकल बोर्ड की देखरेख में शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। प्राथमिक पूछताछ के आधार पर जीआरपी ने फिलहाल संदिग्ध मृत्यु का मामला दर्ज किया है। आत्महत्या या हत्या-यह स्पष्ट करने के लिए पुलिस जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

हथियार सहित दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जवाहरनगर पुलिस ने दो व्यक्तियों को धारदार हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने देर रात गश्त के दौरान छजगरिया मोहल्ला से इसी क्षेत्र में रहने वाले आर्यन को लोहे के धारदार हथियार कापा सहित गिरफ्तार किया। उधर, ओवरब्रिज के पास रितिक निवासी करणी मार्ग को भी कापा के साथ पकड़ा गया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड जालोर

क्रमांकः अअ/जा/2025-26/ दिनांकः

ई-निविदा सूचना संख्या 04 वर्ष 2025-2026

NIB No. PWD2526A1065

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन कार्य व जालोर खण्ड कार्यालय के अधीन वार्षिक दर अनुबंध के आधार पर सडक मरम्मत कार्य (Rate Contract) के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 231.52 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	11 जून 2025, 9:30 बजे से 20 जून 2025, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

UBN No.- 1. PWD2526WSOB03508, 2. PWD2526WSRC03509, 3. PWD2526WSRC03513 4. PWD2526WSRC03514, 5. PWD2526WSRC03516, 6. PWD2526WSRC03521 7. PWD2526WSRC03523, 8. PWD2526WSRC03527

(रमेश कुमार सिंघाडिया)
अधिशाषी अभियन्ता
सा. नि. वि. खण्ड जालोर

DIPR/C/7592/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड भीनमाल

क्रमांकःअअ/भीनमाल /2025-26/250 दिनांकः 04/06/2025

निविदा सूचना संख्या :02 वर्ष 2025-2026

NIB No.: PWD2526A1066

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से **विभिन्न सडक पेच मरम्मत कार्य हेतु (वार्षिक दर अनुबंध)** उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 4 सडक पेच मरम्मत कार्य जिनकी लागत राशि रू. 120.00 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन वार्षिक दर अनुबंध निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	09 जून 2025, प्रातः 9:30 बजे से 18 जून 2025, सांय 6.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

1. UBN: PWD2526WSRC03518
2. UBN: PWD2526WSRC03531
3. UBN: PWD2526WSRC03540
4. UBN: PWD2526WSRC03543

(ओम प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड भीनमाल

DIPR/C/7597/2025

किशनगढ़ बास क्षेत्र में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी, भारी नुकसान

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में मंगलवार तड़के करीब तीन बजे तेज बारिश के साथ गिरी आकाशीय बिजली ने किशनगढ़ बास क्षेत्र को दहला दिया।

बारिश के दौरान नगर पालिका के वार्ड नंबर तीन के पार्षद उमेश यादव के घर पर लगभग सुबह 5:30 बजे बिजली गिरी। यह बिजली मकान की छत को चीरती हुई अंदर तक घुस गई, जिससे घर की विद्युत लाइनें जल गईं और भारी नुकसान हो गया। इस हादसे का असर सिर्फ पार्षद के घर तक सीमित नहीं रहा। आसपास के करीब एक दर्जन घरों में इनवर्टर की बैटरियां जोरदार धमाके के साथ फट गईं। बिजली गिराने आवाज करीब 3 किलोमीटर तक सुनाई दी, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। भयभीत लोग मकानों से बाहर निकलकर खुले स्थानों में जमा हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार बिजली गिरने से कई घरों की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई और पानी की टंकियां भी फट गईं। घटना में किसी प्रकार की जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन आर्थिक नुकसान भारी है। कई परिवारों के घरेलू उपकरण जलकर खाक हो गए हैं।

- **बारिश के दौरान पालिका पार्षद उमेश यादव के घर पर बिजली गिरी, यह बिजली मकान की छत को चीरती हुई अंदर तक घुस गई**
- **आसपास के करीब एक दर्जन घरों में इनवर्टर की बैटरियां धमाके के साथ फट गई, बिजली गिराने आवाज करीब तीन किलोमीटर तक सुनाई दी**

अलवर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से कई घरों की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई और पानी की टंकियां भी फट गई।

घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार नरेंद्र भाटिया और हल्का पटवारी अजय कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने पार्षद उमेश यादव एवं अन्य प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर नुकसान का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से नुकसान का सर्वे किया जा रहा है, ताकि मुआवजा राशि तय की जा सके।

अलवर शहर में जयपलटन के सामने पुराना नीम का पेड़ मंगलवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे वहां से निकल रहे ई-रिक्शा पर गिर गया। हादसे में ई-रिक्शा चालक गंभीर घायल हो गया। वहीं तड़के तीन बजे के बाद जोरदार बारिश से नालों का कीचड़ रोड पर आ गया। कई जगहों पर सड़क पर कीचड़ बिछ गया, जिस पर फिसल कर कई दोपहिया वाहन भी गिर गए। बारिश होने से नालों का कीचड़ तेज बहाव पानी के साथ रोड पर आ गया। सबसे अधिक एसएमडी सर्किल, काली मोरी, अंबेडकर नगर, जिला अस्पताल सहित अनेक जगहों पर कीचड़ ही कीचड़ बिछा हुआ है। एसएमडी सर्किल पर करीब 200 मीटर तक कीचड़ बिछा हुआ है। इस कीचड़ को हटाने के भी बड़ी मशीन लगानी पड़ी।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर

क्रमांक-450 दिनांक-30.05.2025

Short Term Notice Inviting Bid : 07 / 2025-26

Bid for the Construction of Various Atal Pragati Path for the year 2025-26 are invited from interested bidders upto 05.06.2025 [09:30 AM] to 16.06.2025 [06:00 PM] & Open date 17.06.2025 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www. pwd.rajasthan.gov.in & eproc. rajasthan.gov.in & http:// sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs.692.80 Lakh.

UBN No.- 1. PWD2526WSOB02997, 2. PWD2526WSOB02999 3. PWD2526WSOB03000, 4. PWD2526WSOB03004

Executive Engineer,
PWD Distt. Dn-i, Bikaner

DIPR/C/7370/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खण्ड-II बीकानेर

क्रमांक-195 दिनांक-30.05.2025

ई-बोली सूचना संख्या-01/2025-2026

Bid for Constt of Boundary Wall & Mtc Bheemsen Choudhary Govt Collage Lunkaransar & Atal Path at Bigga SDGH are invited from interested bidders from 02-06-2025 to 23-06-2025 6.00 PM. and to be opened 24-06-2025 02:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http:// sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD Department website. The approximate value of the procurement is Rs 286.00 Lac

UBN is: PWD2526WSOB02957, UBN is: PWD2526WSOB02960

(महेन्द्रपाल सिंह चालिया)
अधिशाषी अभियन्ता
सानिवि जिला खण्ड-II बीकानेर

DIPR/C/7428/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड मालपुरा

क्रमांकः 381 दिनांकः 30/05/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्याः 07/2025-26 खण्ड मालपुरा

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड मालपुरामें सडक/भवननिर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेवसाईट साईट www.dipronline.org www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.: PWD2526A0927
1. PWD2526WSOB02996, 2. PWD2526WSOB02998
3. PWD2526WSOB03001, 4. PWD2526WSOB03003
5. PWD2528WSOB03005, 6. PWD2526WSOB803006
7. PWD2526WSOB03007, 8. PWD2526WSOB03008

अधिशासी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड मालपुरा

DIPR/C/7369/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग नगर खण्ड-द्वितीय, जयपुर

क्रमांक :-919 दिनांक :- 06-6-25

ई- निविदा सूचना संख्याः 20/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों :-

क्र. सं.	कार्य का नाम	संवेदक की श्रेणी	डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि	UBN No.
1	Construction of Neuro OT Block Third Floor in Institute of Traumatology and Orthopedic under PWD Sub Dn.-II SMS Hospital, Jaipur, Jaipur (Joinery work)	"F-1" (Joinery)	अनुबन्धानुसार	PWD2526 WSOB03971
2	Construction of Neuro OT Block Third Floor in Institute of Traumatology and Orthopedic under PWD Sub Dn.-II SMS Hospital, Jaipur, Jaipur (Sanitary work)	"S-1" (Sanitary)	अनुबन्धानुसार	PWD2526 WSOB03973
3	Construction of Neuro OT Block Third Floor in Institute of 3. Traumatology and Orthopedic under PWD Sub Dn.-II SMS Hospital, Jaipur, Jaipur (Civil work)	"B" (Civil)	अनुबन्धानुसार	PWD2526 WSOB03976

हेतु सम्मुख अंकित दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरीयड) सहित सा.नि.वि. मे उपयुक्त श्रेणी (नियमानुसार) में पंजीकृत संवेदक एवं संवेदक जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवम् दूर संचार, रेल्वे या अन्य राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों जो कि राजस्थान सरकार के "एए" अथवा "ए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित परिपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेवसाइट www.dipronline.org, www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.pwd.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan पर देखा जा सकता है।

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. नगर खण्ड-2, जयपुर

DIPR/C/7698/2025

केदारनाथ हेलिकॉप्टर हादसे में दिवंगत पायलट राजवीर सिंह का अंतिम संस्कार

पार्थिव देह को नमन करने उमड़ा जनसैलाब, मंत्री राज्यवर्द्धन भी पहुंचे

जयपुर। केदारनाथ के पास गौरीकुंड क्षेत्र में रविवार को श्रद्धालुओं को ले जा रहे हेलीकॉप्टर क्रैश में जयपुर के शास्त्री नगर निवासी पायलट राजवीर सिंह की मौत हो गई थी। सोमवार देर रात उनका शव जयपुर पहुंचा और जिसके बाद मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

अंतिम दर्शन के लिए उनके घर और गांव में सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा। जैसे ही राजवीर का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, हर आंख नम हो गई। जयपुर से लेकर केदारनाथ तक इस हादसे ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। राजवीर की पत्नी दीपिका भी लेफ्टिनेंट कर्नल हैं और अंतिम यात्रा में दीपिका आर्मी यूनिफॉर्म पहने नजर आईं। जो पति की फोटो लेकर चल रही थीं। पति को आखिरी विदाई देते हुए दीपिका ने उन्हें सैल्यूट भी किया।

राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। शव यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण और परिजन 'अमर रहे राजवीर भैया' के नारों के साथ शामिल हुए। इस मौके पर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे।

वहीं मोक्षधाम में आर्मी के अधिकारियों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। राजवीर के भतीजे ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के बाद गांव की चौपाल पर सभी गणमान्य लोगों और ग्रामीणों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

अंतिम यात्रा में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और राजवीर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा, ''राजवीर सिंह जैसे सच्चे और ईमानदार इंसान की कमी कभी पूरी नहीं हो सकती। उनका इस तरह जाना पूरे जयपुर और प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षित है। भगवान उनके परिवार को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति दे।''

अंतिम यात्रा में नगर निगम जयपुर की महापौर सौम्या गुर्जर, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कर्मचारी संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए। अंतिम यात्रा में जयपुर की सरस डेयरी के चेयरमैन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के गणमान्य लोगों ने भी पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

ग्रामीणों ने बताया कि राजवीर सिंह बेहद मिलनसार, ईमानदार और हर किसी की मदद के लिए हमेशा तैयार रहने वाले इंसान थे। वे कई वर्षों से अपने बूढ़े माता-पिता, पत्नी और बच्चों का सहारा थे। हादसे से दो दिन पहले ही उन्होंने अपने गांव के एक निर्धन परिवार की बच्ची की पढ़ाई का खर्च उठाने का वादा किया था।

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर क्रेश में दिवंगत पायलट राजवीर सिंह की पार्थिव देह पर मंगलवार को सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ और परिवारजनों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बिड़ला मंदिर में की पूजा-अर्चना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे मंगलवार को बिड़ला मंदिर पहुंचे। उन्होंने वहां लक्ष्मी नारायण की विधिवत पूजा और आरती में भाग लिया।

राज्यपाल ने लक्ष्मी नारायण से राज्य की सुख, समृद्धि और सबके मंगल की कामना की। उन्होंने मंदिर की कलाकृति और खूबसूरती को निहारा और इसके सौंदर्य व कलाकृति को सराहा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व)आयोग के अध्यक्ष मदन लाल (सेवानिवृत न्यायाधीश) सहित सदस्य प्रो.राजीव सक्सेना, एडवोकेट गोपाल कृष्णा एवं पवन मंडाविया ने शिष्टाचार भेंट की।

केंद्रीय नेतृत्व के दखल के बाद झुंझुनूं, जोधपुर देहात उत्तर और धौलपुर में जिलाध्यक्षों की घोषणा

जयपुर। भाजपा प्रदेश संगठन में मंगलवार को केन्द्रीय नेतृत्व के दखल के बाद झुंझुनूं, जोधपुर देहात उत्तर और धौलपुर में जिला अध्यक्षों की घोषणा हुई है। प्रदेश संगठन में 6 माह बाद केंद्रीय नेतृत्व के दखल के बाद यह नियुक्तियां हुई। इनमें झुंझुनू में हर्षिनी कुल्हाड़ी, जोधपुर देहात उत्तर में ज्योति ज्याणी और धौलपुर में राजवीर सिंह राजावत को जिला अध्यक्ष घोषित किया गया है।

बताया जा रहा है कि हाल ही में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल.संतोष ने जिलों में बनाए गए प्रभारियों से सीधे संपर्क कर जिला अध्यक्षों के नाम पर चर्चा की थी और उनसे रिपोर्ट भी मंगवाई थी। इसके बाद मंगलवार को इन तीन जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई हैं। हालांकि दौसा के जिला अध्यक्ष की घोषणा फिलहाल अटकी हुई है, परंतु माना जा रहा है कि यहां भी केंद्रीय नेतृत्व को ही दखल देना पड़ेगा।

इसके अलावा करीब साढ़े 3 माह बीतने के बाद भी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ नियुक्तियां नहीं कर पाए हैं। प्रदेश में आज भी करीब 60 मंडल अध्यक्ष और 1 जिलाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई हैं। वहीं मंडल से लेकर प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी नहीं हुआ है। प्रदेश में नई कार्यकारिणी के गठन के पीछे भाजपा की तरफ से तर्क दिया जाता है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद नई कार्यकारिणी का गठन होगा।

क्योंकि प्रदेश कार्यकारिणी के नामों पर केन्द्रीय नेतृत्व की सहमति जरूरी हैं। इधर, प्रदेश में लंबे समय से अटके 1 जिलाध्यक्ष के नाम को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। क्योंकि इनकी नियुक्ति प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को करनी हैं। प्रदेश भाजपा में 44 संगठनात्मक जिले हैं। जिलाध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया 31 जनवरी को पूरी हो गई थी। उस समय तक 40 जिलों में जिलाध्यक्षों का निर्वाचन हो गया था। वही मंगलवार को 3 जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई। दौसा में पार्टी किसी ब्राह्मण को जिलाध्यक्ष बनाना चाहती हैं।

लेकिन बताया जाता है कि वहां स्थानीय विधायक और मंत्री किसी एक नाम पर सहमत नहीं हो पा रहे हैं। दौसा में तो पार्टी 27 में से अभी केवल 13 मंडल अध्यक्ष ही बना पाई हैं। जिसमें से भी 2 मंडल अध्यक्षों को लेकर विवाद चल रहा हैं।

- **हालांकि दौसा जिला अध्यक्ष की घोषणा अभी भी अटकी हुई हैं, चर्चाएं हैं कि यहां भी शीर्ष नेतृत्व को ही दखल देना पड़ेगा**
- **हैरानी की बात यह है कि करीब साढ़े 3 माह बीतने के बाद भी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ नियुक्तियां नहीं कर पाए हैं। प्रदेश में आज भी करीब 60 मंडल अध्यक्ष और 1 जिलाध्यक्ष की नियुक्तियां अटकी हुई है**

राजस्थान विधानसभा के गेट के पास घुसी कार

जयपुर। ज्योति नगर थाना इलाके में एक बेकाबू कार विधानसभा के गेट में घुस गई। इसके बाद ड्राइवर रेलिंग तोड़कर कार को लेकर फरार हो गया। ज्योति नगर थाने में विधानसभा सिक्योरिटी में तैनात एएसआई ने मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि जामडोली के माधव नगर के रहने वाले भागीरथ सिंह (49) ने मामला दर्ज करवाया कि वह राजस्थान विधानसभा की सिक्योरिटी में एएसआई हैं। शिकायत में बताया कि सोमवार तड़के करीब 3:10 बजे अज्ञात चौपहिया वाहन ओवर स्पीड में विधानसभा की ओर आया।

विधानसभा के गेट नंबर-3 पर स्थित गुमटी के पास बेकाबू होकर लोहे की रेलिंग में जा घुसा। टक्कर मारकर कार से लोहे की रेलिंग को तोड़ दिया। सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाने के बाद ड्राइवर मौके से कार लेकर फरार हो गया। विधानसभा के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाने की करतूत कैद मिली। ज्योति नगर थाने में सिक्योरिटी एएसआई ने टक्कर मारने वाली गाड़ी व ड्राइवर का नाम-पता मालूम कर कार्रवाई करने के लिए शिकायत दर्ज करवाई।

कांग्रेस जिला महामंत्री सहित 3 नेताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और विकास की नीतियों से प्रेरित होकर कांग्रेस नेता लगातार भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने श्रीगंगानगर जिले के कांग्रेस जिला महासचिव जवाहर लाल अग्रवाल, नगर पालिका केसरीसिंहपुर अध्यक्ष सुमित्रा रानी अग्रवाल और कांग्रेस नेता लक्की चावला को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा तथा श्रीगंगानगर से पृथ्वीपाल सिंह, महेंद्र कुमार, गुरूप्रीत सिंह बराड भी उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, जो पार्टी के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

- **कांग्रेस जिला महासचिव जवाहर लाल अग्रवाल, नगर पालिका केसरीसिंहपुर अध्यक्ष सुमित्रा रानी अग्रवाल और कांग्रेस नेता लक्की चावला को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई**

'लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भागीदारी से साकार होगी जल संरक्षण की संकल्पना'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में मंगलवार को जयपुर जिला प्रशासन द्वारा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत द्वारा मीडिया राउंड टेबल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मीडिया राउंड टेबल कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर के प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स ने भी शिरकत की और परिचर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाई।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, कृषि विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, वन विभाग, नगर निगम, उद्यानिकी विभाग, भू-जल विभाग एवं राजीविका विभाग के अधिकारियों ने मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों के समक्ष अपना प्रस्तुतिकरण दिया एवं वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण एवं जल संचयन की दिशा में हुए विकास कार्यों एवं नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने अभियान के तहत अब तक जिले में किए गए जल संरक्षण कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सक्रिय एवं सकारात्मक भागीदारी से ही जिले में जल संरक्षण एवं जल संचयन की संकल्पना साकार होगी।

भूजल संग्रहण की महत्ता को रेखांकित करते हुए अभियान की रूपरेखा, गतिविधियों और आगामी योजनाओं के संबंध में विस्तार से संवाद किया। उन्होंने बताया कि जिले भर में साफ-सफाई, पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें आमजन और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। वाटरशेड विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता दिनेश कुमार ने वर्षा जल संग्रहण को भूजल संवर्धन का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकों की उपयोगिता तथा जिले में चल रहे विभिन्न विकासात्मक कार्यों की जानकारी मीडिया के समक्ष रखी।

प्रतिभा वर्मा ने बताया कि जल संरक्षण एवं जल संचयन के प्रति आमजन में जागरुकता बढ़ाने, जल स्त्रोतों की स्थिरता एवं पुनर्निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने एवं जल संकट से निपटने के लिए उपयों को लागू करने, ग्रामीण एवं शहरी समुदायों में जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने, जल संरक्षण में जन भागीदारी सुनिश्चित करने एवं स्थानीय आमजन को सक्रिय रूप से भागीदार बनाने, जलवायु परिवर्तन के कारण जल संकट की गंभीरता को कम करने की दिशा में प्रयास करने, अकार्यशील हैंडपंप, सूखे कुएं एवं नलकूपों के माध्यम से भूजल को पुन:भरण को बढ़ावा देने, व्यर्थ बहने वाले वर्षा जल को रिचार्ज शॉफ्ट के माध्यम से भूजल पुन:भरण करने में भागीदारी निभाने का आव्हान किया।

- **वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मीडिया राउंड टेबल का हुआ आयोजन**

'स्वदेशी, स्वावलंबन से ही होगा भारत सशक्त'

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने कहा है स्वदेशी केवल वस्तु नहीं, बल्कि आत्मिक पहचान की भावना है। यह आंदोलन 1905 में बंग-भंग के विरोध से शुरू हुआ, लेकिन इसकी जड़ें रामायण काल से जुड़ी हैं। वे स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान जयपुर प्रांत के दो दिवसीय विचार वर्ग व कार्यशाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ धर्मवीर चंदेल ने बताया कि इस अवसर पर प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने स्वामी विवेकानंद का उद्धरण देते हुए कहा कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं की चर्चा करते हुए हुए कहा कि स्वदेशी भावना से ही भारत आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से विश्व का नेतृत्व कर सकता है। उन्होंने एकात्म मानववाद को भारत की मौलिक विचारधारा बताया, जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित है। यह विचारधारा व्यक्ति, समाज और प्रकृति के संतुलन पर आधारित है और पश्चिमी पूंजीवाद व समाजवाद का भारतीय विकल्प है। उन्होंने चार पुरुषार्थ - धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष - के संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। जनसंख्या संकट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की गिरती प्रजनन दर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहीं तो भारत भी 2035 के बाद जापान की तरह बूढ़े देश में बदल सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था और संस्कृति दोनों संकट में आ सकते हैं।

प्रत्येक नागरिक 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाने में व्यक्तिगत योगदान सुनिश्चित करे। ''नौकरी'' के बजाय ''जीविका'' आधारित शिक्षा और रोजगार की ओर बढ़ने, परिवारों में राष्ट्र के भविष्य पर संवाद बढ़ाने और युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता बताई गई। स्वदेशी के अखिल भारतीय विचार विभाग प्रमुख राजीव कुमार ने कहा कि ''स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान'' की शुरुआत 12 जून को दिल्ली से हुई है, जिसका उद्देश्य स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देना और स्वदेशी भावना का विस्तार करना है।

- **स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान का दो दिवसीय विचार वर्ग**

शातिर बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक शातिर बदमाश को धर-दबोचा है और उसके पास से दो जिंदा कारतूस,107 पव्वे शराब सहित चुराए गए तीन दुपहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी नाश करने का आदि है और जो अपने साथियों के साथ मिलकर चुराए गए दुपहिया वाहनों से मोबाइल,चेन और पर्स स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देता है। आरोपित ने जयपुर शहर के विभिन्न थाना इलाके में दो दर्जन से अधिक स्नेचिंग की वारदातों सहित तीन दुपहिया वाहन को चुराना स्वीकार किया है। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ लूट,स्नैचिंग,चोरी और नकबजनी के अठारह मामला दर्ज है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक शातिर बदमाश जुबेर खान उर्फ काणा निवासी भट्टा बस्ती को गिरफ्तार किया है।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर ने बताया कि गिरफ्तार शुदा आरोपित ने विश्वकर्मा, सदर, सिन्धी कैम्प, झोटवाड़ा, करधनी से चुराई गई।

मदन राठौड़ ने प्रवक्ता और पैनेलिस्टों के साथ की बैठक

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी के प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों के साथ भाजपा प्रदेश कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक की। राठौड़ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सटीक और तथ्यात्मक जानकारी हम सभी को साझा करनी है। भाजपा के प्रवक्ता और पैनेलिस्ट समाचार चैनल के माध्यम से हमारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाते है, इस लिए वे हर टीवी डिबेट में आंकड़ों के साथ अपनी बात रखें। राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने डेढ़ साल में जो कार्य किए हैं, उन्हें आंकड़ों के साथ जनता तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। मोदी सरकार की योजनाओं को सही तरीके से प्रस्तुत करना आवश्यक है ताकि जनता को उनके लाभ का सही ज्ञान हो सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि हम सभी को सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मीडिया और अन्य माध्यमों का प्रभावी उपयोग करना चाहिए। इसके साथ ही संगठन के आगामी कार्यक्रमों को टीवी डिबेट्स के माध्यम से आमजन तक पहुंचाए। राठौड़ ने जनता के सरोकारों के लिए क्या कार्य किए जा सकते हैं, इस संबंध में भाजपा प्रवक्ता एवं पैनेलिस्टों से सुझाव मांगे।

बैठक में भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के दिशा-निर्देशन में हम सभी मीडिया साथियों को संगठनात्मक नीतियों की अक्षरश पालान करते हुए डिबेट में पूरी तैयारी के साथ पार्टी का पक्ष रखना है एवं अपने आप को समसामयिक विषयों के साथ राजनीतिक, सरकार के लोककल्याणकारी कार्यों के बारे में पूर्ण जानकारी रखनी चाहिए। बैठक में भाजपा के प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल सहित सभी प्रवक्ता एवं पैनेलिस्ट उपस्थित रहे।

- **राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार और आगामी कार्यक्रमों पर की चर्चा**

'इंदिरा गांधी ने लगाया था आपातकाल, संकट देश पर नहीं, इंदिरा की कुर्सी पर था'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मीडिया बाइट के दौरान कहा कि भारतीय जनता पार्टी 25 जून को आपातकाल की 50वीं बरसी ''काला दिवस'' के रूप में मनाएगी। इस अवसर पर प्रदेशभर में बूथ, मंडल, जिला और प्रदेश स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि देश की नई पीढ़ी को आपातकाल के काले अध्याय से अवगत कराया जा सके। राठौड़ ने कहा, ''25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू किया गया, जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला दिन था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने न्यायपालिका के फैसले को चुनौती देते हुए आपातकाल की घोषणा की, जिससे देश में लोकतंत्र की हत्या हुई।''

- **भाजपा प्रदेशभर में काला दिवस के रूप में मनाएगी आपातकाल की 50वीं बरसीः- मदन राठौड़**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि ''इंदिरा गांधी ने 1971 के चुनाव में सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किया और चुनावी धांधली की। जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराया और चुनाव रद्द किया, तो उन्होंने सत्ता की कुर्सी बचाने के लिए आपातकाल लागू किया। इस दौरान विपक्ष के नेताओं को जेल में डाला गया, मीडिया पर सेंसरशिप लगाई गई और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ।'' राठौड़ ने यह भी कहा कि इस काले दिन की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा प्रदेशभर में जागरूकता अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा, ''हमारा उद्देश्य है कि देश की नई पीढ़ी जान सके कि आपातकाल के दौरान क्या हुआ था और लोकतंत्र की कीमत क्या होती है।'' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से अपील की कि वे इस काले दिवस को याद करें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संकल्प लें।

राज्य सेवा से आई.ए.एस. में प्रमोशन के लिए मंथन शुरू

जयपुर (कासं)। वर्ष 2024 के लिए स्टेट सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) में प्रमोशन को लेकर मंगलवार को नई दिल्ली में बोर्ड बैठक का आयोजन हुआ। सूत्रों की मानें तो 2024 के लिए प्रमोशन के जरिये चयन के लिए 19 पद निर्धारित हैं। जिसके लिए इस बार 1997 और 1998 बैच के अधिकारी दावेदार हैं।

वर्ष 1997 बैच में डॉ. राकेश कुमार शर्मा, नवनीत कुमार, सुखवीर सैनी, जसवंत सिंह, हरफूल सिंह यादव, राजेश वर्मा, सुरेशचंद्र, महेन्द्र कुमार खींची, अजीत सिंह राजावत, अवधेश सिंह, राकेश शर्मा, जगवीर सिंह, बृजेश कुमार चांदोलिया और डॉ. हरसहाय मीणा को प्रमुख दावेदारों में शामिल माना जा रहा है। इसी प्रकार वर्ष 1998 बैच में जुगल किशोर मीणा, ललित कुमार, डॉ. शिवप्रसाद सिंह और मेघना चौधरी प्रमुख दावेदार हैं। बताया जा रहा है कि रिक्त 19 में से 18 पदों पर ही प्रमोशन के ज़रिए चयन हो सकता है। जबकि शेष एक पद के लिए प्रकरण डेफ़र्ड होना भी संभव प्रतीत हो रहा है। इस बैठक में राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल और केके पाठक भी शामिल हुए थे।

दिव्यांग पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को स्कूटर व अन्य उपकरण वितरित

जयपुर। राजस्थान एक्स सर्विसमैन कॉरपोरेशन (रेक्स्को) ने मंगलवार को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अन्तर्गत दिव्यांग पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को तीन पहिए के स्कूटर व अन्य उपकरण वितरित किए। यह कार्यक्रम जयपुर सैन्य छावनी के सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

सैनिक कल्याण विभाग के ब्रिगेडियर वीएस राठौड़ ने बताया कि सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जरूरी कार्य को लेकर मुख्य मंत्री के साथ मिटींग होने से वे नहीं आ आये। इस अवसर पर संबोधित करते हुए रेक्स्को के प्रबंध निदेशक मेजर जनरल विजय सिंह ने कहा कि रेक्स्को राजस्थान सरकार का उपक्रम है जो 2012 में गठन के बाद सदैव अग्रसर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि रेक्स्को राज्य के पूर्व सैनिकों को सम्मानजक रोजगार दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। मेजर जनरल सिंह ने बताया कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अंतर्गत पहले भी हर वर्ष पूर्व सैनिकों के हितों के लिए उपकरण दिए जाते रहे हैं व यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीएस राठौड़ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत नही होता बल्कि वे हर समय राष्ट्र के लिए काम करते रहते हैं कार्यक्रम में तीन पहिए के 12 स्कूटर, हाथ से चलने वाली साइकिल, व्हील चेयर व दिव्यांग सेंसर वितरित किए गए। रेकस्को के उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्व सैनिकों को राज्य सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीएस राठौड़ व मेजर जनरल विजय सिंह ने नकदी, रेक्स्को का स्मृति चिन्ह व प्रशंसा-पत्र देकर सम्मान प्रदान किया।

कार्यक्रम में जीओसी 61 सब एरिया मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा,सैनिक कल्याण विभाग के वरिष्ठ शासन उप सचिव भरत सोखियां, रेक्स्को के प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन) कैप्टेन नरेन्द्र गजराज व रेक्स्को के प्रशासनिक अधिकारी (सुरक्षा) सुबेदार मेजर बजरंग सिंह राठौड़ समेत जयपुर के पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। मंच का संचालन सुबेदार मेजर दिनेश शर्मा ने किया।

राजस्थान एक्स सर्विसमैन कॉरपोरेशन की ओर से दिव्यांग पूर्व सैनिकों को तीन पहिए के स्कूटर व अन्य उपकरण वितरित किए।

प्रशिक्षित कार्यकर्ता साधक की तरह कार्य करे : शंकर गायकर

पाली, (नि.सं.)। विश्व हिन्दू परिषद् विगत 60 वर्षों से विश्व भर के हिन्दू समाज में सेवा, समरसता, सुरक्षा और संस्कार भाव का जागरण कर रहा है। समय-समय पर विभिन्न जनजागरण के कार्यक्रम, आंदोलन संगठन द्वारा हुए है। विहिप आज हिन्दू का विश्वास है, जहां जैसी परिस्थिति में आवश्यकता है कार्यकर्ता सदैव ततपरता से सनातन संस्कृति के उत्थान में सतत संलग्न है।" उक्त विचार विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सह मंत्री शंकर गायकर ने जूनी धाम खेतलाजी मन्दिर प्रांगण में दस दिवसीय प्रांत परिषद वर्ग के समापन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

विश्व हिन्दू परिषद् की ओर से पाली जिले के जूनी धाम खेतलाजी मन्दिर प्रांगण में दस दिवसीय प्रांत परिषद् वर्ग का समापन सत्र आयोजित हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

गायकर ने कहा, विहिप हिन्दू समाज का विश्वास बन चुका है। आज आवश्यकता है कि संस्कारित, चरित्रवान, प्रशिक्षित कार्यकर्ता समाज में सेवा , समरसता, सुरक्षा, संस्कार जागरण, तीर्थस्थलों की सुरक्षा, व श्रद्धा केंद्रों के संरक्षण जैसे विविध क्षेत्रों में कार्य करे।

उन्होंने कहा कि संकल्प से तय किये राम मंदिर आंदोलन में संगठन की भूमिका को सबने देखा है।

उन्होंने कहा, यह वर्ग समाप्त नहीं, बल्कि संगठनात्मक जीवन का शुभारंभ है। समाज की अपेक्षाएं आपसे जुड़ी हैं। अब आपको साधक की तरह समाज में कार्य करना है, अपनी साधना का फल समाज व संगठन को समर्पित करने का समय है।

समारोह का शुभारंभ संत बालकदास महाराज ढालोप एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ, प्रांत संगठन मंत्री राजेश पटेल ने वर्ग की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

समापन समारोह में प्रांत मंत्री परमेश्वर जोशी, वर्गाधिकारी सुरेश चौधरी, प्रान्त प्रचार प्रमुख नरेश बोहरा, विभाग मंत्री शैतानसिंह बिरोलिया, ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश वन गोस्वामी, विक्रम परिहार, नरेन्द्र भोजक, भूपेश वैष्णव, खरताराम चौधरी, नरपत चारण, बूटासिंह, रतनपुरी, डूंगाराम प्रजापत, श्रीपाल देवड़ा अधिवक्ता नीलम सोनी सहित प्रान्त विभाग व जिला स्तरीय पदाधिकारी, ग्राम व मंदिर ट्रस्टों के जन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जोधपुर प्रांत के 25 जिलों से आए 72 कार्यकर्ताओं ने 10 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में शारीरिक, मानसिक व वैचारिक रूप से विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ग संचालन हेतु 25 से अधिक शिक्षकों, प्रबंधकों व पदाधिकारियों ने सेवाएं दी।

शिक्षक संघ (रा.) की बैठक संपन्न

जालोर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला शाखा जालोर की बैठक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेंद्र नगर जालोर में जिला संगठन मंत्री शैतान सिंह राजपुरोहित की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

जिला मंत्री कपूर सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बैठक के दौरान आगामी 26 एवं 27 जून को गोगामेडी हनुमानगढ में आयोजित होने वाले प्रदेश महासमिति अधिवेशन पर चर्चा की गई और अपेक्षित सदस्यों से अधिवेशन में भाग लेने का आव्हान किया गया। तृतीय श्रेणी से प्रधानाचार्य पदों तक स्थानांतरण और पदोन्नति सहित ग्रीष्मकालीन अवकाश वेतन प्रकरण पर चर्चा कर इन मुद्दों को प्रदेश स्तर पर उठाने का निर्णय लिया गया।लंबित शिक्षक समस्याओं के समाधान के संबंध में जिला बैठक में लिए गए निर्णयानुसार बैठक के बाद जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक मुनेश कुमार जी मीना से वार्ता की गइं। जिसमें प्रबोधको के पदोन्नति के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक ने बताया कि सूची पर आज अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर हो गए है। अब इसे बीकानेर अप्रूवल के लिए भेजा जाएगा और अप्रूवल आने के बाद पदोन्नति पदस्थापन की सूची जारी कर दी जाएगी।

तृतीय श्रेणी शिक्षकों की अस्थाई पात्रता सूची जारी करने हेतु शिक्षक संघ प्रतिनिधिमंडल द्वारा 1 जुलाई का अल्टीमेटम दिया गया। 1 जुलाई तक सूची प्रकाशित नहीं होती है, तो शिक्षक संघ द्वारा अनिश्चितकालीन धरना देकर प्रदर्शन किया जाएगा

प्लेन क्रेश में मृत लोगों को वरिष्ठजनों ने दी श्रद्धांजलि

पाली में वरिष्ठ नागरिक समिति की बैठक का आयोजन करण सिंह चाली स्थित सभागार में डॉ. रामलाल मोहबारशा की अध्यक्षता में किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। वरिष्ठ नागरिक समिति की बैठक करण सिंह चाली स्थित सभागार में डॉ रामलाल मोहबारशा की अध्यक्षता में हुई।

महामंत्री नरपत सिंह कुंपावत ने बताया कि पिछले दिनों 12 जून को अहमदाबाद में हुई हवाई दुर्घटना और 15 जून को केदारनाथ में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त लोगों को वरिष्ठ नागरिक समिति के लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी ।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ रामलाल मोहबारशा ने हवाई दुर्घटना का विवरण बताया तथा केदारनाथ मार्ग पर हेलीकॉप्टर दुर्घटना का जिक्र किया।

समिति के वरिष्ठ नवनियुक्त महामंत्री (शाखाएं) गौतम चंद्र यति ने पाली जिले के ढाबर गांव में हुई चार जनों की मौत का जिक्र किया वह उन सभी को श्रद्धांजलि दी गई ।

महामंत्री नरपत सिंह कुंपावत ने बताया कि 1 जुलाई को जसोल माताजी, आसोतरा में राजपुरोहित समाज के धर्मस्थल तथा श्री नाकोड़ा जी का भ्रमण कार्यक्रम रखा गया है।

आज की बैठक में समिति के वरिष्ठ सदस्य पदम श्री डॉ अर्जुन सिंह शेखावत, चाणक्य आश्रम के गादीपति श्री जगदीशानंद जी और बस ऑपरेटर ताराचंद टाक आदि के स्वस्थ होने की कामना की गई ।

बैठक में समिति के सचिव दिनेश दवे , सुवालाल पेड़ीवाल, गणपत सिंह दहिया, राम जीवन तापड़िया, शिवप्रसाद परिहार, कांतिलाल मुथा, हिमताराम फुलवारी ,ज्ञान सिंह बेस, घिसालाल , धन सिंह बडगूजर , माणक चंद तंवर, चैन सिंह खींची, जगदीश दुबे ,सुनील कुमार टाक, विष्णु कुमार गोयल, सुमेर सिंह चावड़ा, श्रवण कुमार तवर ,गणेशराम परमार ,सुरेश कुमार जालोरा आदि उपस्थित रहे ।

इसी के साथ महामंत्री द्वारा उपस्थित सदस्यों के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सभा का समापन किया गया।

मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के नये कार्य शुरू

जालोर, (कासं)। आगामी मानसून में वर्षा जल के अधिक से अधिक संग्रहण तथा विद्यमान जल स्त्रोतों के रख-रखाव एवं स्वच्छता के लिए जिले में 5 से 20 जून तक चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत मंगलवार को मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.1 के अंतर्गत पूर्ण कार्यों का अवलोकन, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.2 अंतर्गत कार्यों का स्वीकृत करना एवं प्रारंभ करने, हरियालो राजस्थान अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 अंतर्गत चयनित ग्रामों की ग्राम पंचायत मुख्यालय पर चौपाल कर अभियान अंतर्गत निर्मित एवं प्रस्तावित जल संग्रहण एवं जल संरक्षण कार्यों पर चर्चा इत्यादि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान के दौरान चितलवाना पंचायत समिति के सुराचंद ग्राम में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के तहत स्वीकृत नये कार्य का भूमिपूजन कर शुभारंभ किया गया।

वही एमजेएसए के तहत किए गए कार्यों का अवलोकन किया गया। अभियान के तहत 18 जून को कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा स्प्रिंकलर, ड्रिप, फार्म पौण्ड, पाईप लाईन की स्वीकृति जारी करना, डीबीटी के माध्यम से राशि जारी करना, प्राकृतिक, जैविक, प्रीसीजन खेती, सूक्ष्म सिंचाई पद्धति पर कार्यशाला एवं प्रदर्शनी, स्वीकृत कार्यों का अवलोकन एवं नये कार्यों की स्वीकृतियां, हरियालो राजस्थान अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी, कम्पोस्टिंग तकनीक का प्रचार-प्रसार करना, लघु सिंचाई संयंत्रों की प्रदर्शनी, प्रगतिशील कृषकों से चर्चा, किसान चौपाल, कृषि विज्ञान केन्द्र पर संगोष्ठी एवं कृषि शिक्षा कार्यशाला, डिग्गियों की साफ-सफाई गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

इसी प्रकार स्वायत्त शासन विभाग की ओर से जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं मरम्मत, जल स्त्रोतों पर दीप प्रज्वलन, अमृत 2.0 अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से साफ-सफाई एवं रख-रखाव कार्यक्रम, शहरी रोजगार योजना अंतर्गत पौधारोपण के लिए अग्रिम तैयारी, महापुरूषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई, प्लास्टिक कचरे का चिन्हित स्थल पर निष्पादन, नो प्लास्टिक डे, अमृत 2.0 अंतर्गत नए कार्यादेश जारी करना एवं पूर्ण कार्यों का अवलोकन तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहयोग से सरकारी भवनों में स्थित आरटीडब्ल्यूएचएस की साफ-सफाई एवं रख-रखाव कार्यक्रम इत्यादि गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी।

योगाभ्यास के प्रति किया जागरूक

पाली, (नि.सं.)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र पर उप निदेशक भागीरथ के निर्देशानुसार केन्द्र प्रबंधक प्रियंका व्यास ने मंगलवार को घरवाला जाव मण्डिया रोड़ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि योग एक प्राचीन भारतीय दर्शन और शारीरिक-मानसिक अभ्यास है जिसका अर्थ है जुड़ना या एक होना यह शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने और आत्म-साक्षात्कार को प्राप्त करने की एक प्रक्रिया है, जैसे आसन (शारीरिक मुद्रा), प्राणायाम (श्वास नियत्रंण), ध्यान और दर्शन का एक समग्र प्रणाली है। योग शारीरिक फिटनेस और लचीलेपन को बढ़ाता है और मानसिक स्पष्टता और फोकस में सुधार करता है आत्मा को परमात्मा से जोडना, योग आत्मा को परमात्मा से जोड़ने की एक प्रक्रिया है।

स्काउट सचिव प्रशिक्षण संपन्न

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, माउंट आबू में 13 से 17 जून तक सचिव और संयुक्त सचिव का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, माउंट आबू में 13 से 17 जून तक सचिव और संयुक्त सचिव पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को संपन्न हुआ।

शिविर में राजस्थान प्रदेश के विभिन्न जिलों से कुल 80 प्रतिभागी शामिल हुए इनमें 57 सचिव स्काउटर और 15 संयुक्त सचिव गाइडर और 8 स्टॉफ सदस्य शामिल है।

जिला जालोर से स्थानीय संघ सचिव भीनमाल घनश्याम व्यास, जालोर सचिव मुकेश कुमार सुंन्देशा, जसवंतपुरा सचिव विरेन्द्रसिंह ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्नालाल ने शिविर का निरीक्षण कर सचिव संयुक्त सचिव को अपने स्थानीय संघ क्षैत्र में स्काउट गाइड ग्रुप को सक्रिय करनें के दिशा निर्देश प्रदान किये।

सी.ओ. स्काउट सवाईसिंह ने बताया कि शिविर में स्काउट गाइड सचिव के दायित्व,गतिविधियों का आयोजन, बैठकों का संचालन,रिकॉर्ड रखना, और संचार बनाए रखना संगठन की संरचना, उनके कर्तव्य और जिम्मेदारियों की जानकारी के साथ ही संगठन के विकास और विस्तार के लिए नवीनतम जानकारियां भी साझा की गई।

शिविर में प्रशिक्षक हीरानाथ गोस्वामी जितेन्द्र भाटी ओमप्रकाश विजयसिंह देवदास स्वामी गिरधारीलाल सुभिता की सेवाएं सराहनीय रही। शिविर का संचालन रामजस लिखाला ने किया।

'पुराने जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करें'

बाड़मेर, (नि.सं.)। पशुपालन, गोलपान एवं देवस्थान मंत्री तथा बाड़मेर जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के क्रियान्वयन की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

प्रभारी मंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आगामी मानसून से पूर्व प्राचीन कुएं, बावड़ी, तालाब और जल स्त्रोतों की साफ-सफाई कर जल संरक्षण के लिए तैयार रखने के दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि तालाब, नाड़ी, कुएं एवं पोखर हमारे पारंपरिक जल स्त्रोत हैं। पहले की पीढ़ियों के लिए यही एक मात्र पानी के स्त्रोत थे। इन सभी प्राचीन जल स्त्रोतों को संरक्षित एवं स्वच्छ रखना हम सबका कर्तव्य है। इसके साथ ही राज्य सरकार के हरियालों राजस्थान के तहत जिले में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और आमजन को इसके लिए जागरूक करने की बात कही। कुमावत ने कहा कि जल संरक्षण के लिए हम सबको टीम भावना के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि जो पुरानी नाड़ियां या तालाब है उनका इस अभियान के तहत जीर्णोद्धार करके उनको उपयोगी बनाएं, ताकि यह अभियान सही मायने में सार्थक हो।

केंद्रीय मंत्री यादव ने शेखावत से भेंट की

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव मंगलवार सुबह जोधपुर प्रवास के दौरान केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के निज निवास स्थान पर पहुंचे तथा शिष्टाचार भेंट करने पहुंचे। शेखावत ने निज निवास पर यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस दौरान शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, भाजपा के शहर जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पालीवाल, जिला महामंत्री मनीष पुरोहित भी मौजूद रहे। यहां केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का राजस्थानी परंपरा अनुसार स्वागत किया गया।

सी.एस.आर. कार्यशाला आयोजित

बाड़मेर, (नि.सं.)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मंगलवार को जिला कलक्टर टीना डाबी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल में सीएसआर कार्यशाला आयोजित की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कार्यशाला में जिला कलक्टर टीना डाबी ने उद्योग समूहों से जनहित में इस अभियान से जुड़कर पुराने जलस्त्रोतों के पुनर्निर्माण का आग्रह किया और इस अभियान में आर्थिक सहयोग करने की भी अपील की।

जिला कलक्टर टीना डाबी ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य स्वयंसेवी संगठनों, स्थानीय उद्योगों के सीएसआर फंड की मदद से गांवों और कस्बों में पुरानी नाड़ियों, तालाबों, बावड़ियों और कुंडों की खुदाई, गहरीकरण और जीर्णोद्धार किया जाएगा।

इससे वर्षा जल संग्रहण क्षमता बढ़ेगी और भूजल स्तर में सुधार होगा। आवश्यकतानुसार नए चेक डैम, एनीकट, रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और छोटे जल संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा, खासकर उन क्षेत्रों में जहां जल की कमी अधिक है।

जिला कलक्टर ने कार्यशाला में उपस्थित उद्यिमयों एवं अधिकारियों को पौधरोपण, जल संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए जिले के भामाशाहों तथा उद्यिमयों से सीएसआर फण्ड में सहयोग राशि प्रदान करते हुए सामाजिक, आर्थिक एवं वातावरणीय सुधार के लिए आहवान किया गया।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत, उपखंड अधिकारी वीरमाराम, केयर्न वेदांता के प्रतिनिधि शैलेश शर्मा, साउथ वेस्ट माइनिंग के हेमंत शर्मा, एसएमडब्लूएल से अनीता छंगाणी, जेएसडब्लू के प्रतिनिधि दिलीपसिंह, कैलाश कोटडिया, माफी ग्रुप से विक्रम सहित महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र बाड़मेर दुष्यंतसिंह, संयुक्त निर्देशक कृषि आरबी सिंह, भू जलग्रहण एवं जल संरक्षण विभाग के अधिशाषी अभियंता हनुमानराम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कम्पनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

योग महोत्सव शुरू

जोधपुर, (कासं)। विश्व में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इसको लेकर प्रदेशभर में तैयारियां की जा रही है। इसी बीच जोधपुर के करवड़ स्थित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद यूनिवर्सिटी में 5 दिवसीय योग महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीसीआरवाईएन नई दिल्ली और यूनिवर्सिटी के मध्य योग चिकित्सा को लेकर एमओयू किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रोफेसर बनवारी लाल गौड़ ने कहा कि आज के समय में आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी योग को जीवन शैली में अपनाएं, क्योंकि योग की मदद से खुद को स्वस्थ रखा जा सकता है। कार्यक्रम में सीसीआरवाईएन के अतिरिक्त निदेशक और विशिष्ट अतिथि सुरेश संधू ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के साथ एम ओयू होने से योग और प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान पंचगव्य पर बुकलेट का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के कुलगुरु प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम ही नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन प्रणाली है। जो पृथ्वी और स्वास्थ्य के संतुलन को कायम रखने का समाधान प्रस्तुत करता है। आरोग्यम वैलनेस के निदेशक डॉ अरुण त्यागी को पंचकर्म टेक्नीशियन कोर्स की स्वीकृति का प्रमाण पत्र दिया गया। जबकि लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण संस्था की ओर से शुरू किए गए नवीन पंचगव्य कोर्स की बुकलेट का विमोचन भी किया गया।

एसएलबीएस निदेशक प्रियंका गोदारा, कुलसचिव अखिलेश कुमार पीपल, एकेडमिक डीन प्रोफेसर महेंद्र कुमार शर्मा, पूर्व प्राचार्य प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, पी जी आई ए प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, होम्योपैथिक प्राचार्य डॉ. गौरव नागर, नर्सिंग प्राचार्य डॉ. दिनेश राय, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

प्रकृति की हर चीज मानव के लिए उपयोगी : यादव

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा हमें प्रकृति ने सबकुछ दिया है। प्रकृति की हर चीज मानव के लिए उपयोगी है लेकिन मानव की बनाई बहुत सी चीजें प्रकृति को नुकसान पहुंचा रही हैं। रेफ्रिजरेटर इसका उदाहरण है। यादव मंगलवार को आफरी में विश्व मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

कार्यशाला में जलवायु लचीलापन, जैव विविधता और सतत ग्रामीण विकास के लिए भूमि बहाली के महत्व पर जोर दिया गया।

राष्ट्रीय कार्यशाला की अध्यक्षता केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि हमें प्रकृति से सामंजस्य बैठाकर काम करना होगा। इसके साथ ही उन्होंने सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने आफरी को लेकर कहा कि इसका सोशल इंपैक्ट दिखना चाहिए। देश के कई हिस्सों में कई अन्य संस्थानों ने अच्छा कार्य किया है। उन्होंने कहा कोयम्बटूर इसका एक अच्छा उदाहरण है।

इसके साथ ही उन्होंने बच्चों के लिए मरुस्थलीय पौधों का पार्क बनाने और एक नर्सरी डेवलप करने की भी सलाह दी। यादव ने कहा कि पार्क में भ्रमण से मरुस्थलीय पौधे के बारे में बच्चों को जानकारी मिल पाएगी। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जोधपुर पौधों के संरक्षण की भूमि हैं। यहां के लोगों ने वृक्षों को बचाने के लिए अपना बलिदान दिया है।

उन्होंने कहा कि मरुस्थलीकरण रोकने के लिए अरावली की पर्वतमाला और वनक्षेत्र की मुख्य भूमिका है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने भी भाग लिया।

कार्यशाला में नवीन भूमि बहाली मॉडल साझा करने, 2030 तक भूमि क्षरण तटस्थता (एलडीएन) प्राप्त करने के लिए भारत की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की दिशा में प्रगति की समीक्षा करने, सूखे की तैयारी और टिकाऊ भूमि उपयोग पर केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करने आदि पर चर्चा की गई।

योग दिवस एवं मानसून पूर्व तैयारियों पर चर्चा

बालोतरा, (नि.सं.)। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से आगामी मानसून सत्र की तैयारियों, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन और अन्य विभागीय कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।

यादव ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे मानसून से पहले की सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर लें ताकि वर्षाकाल में किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। उन्होंने विशेष रूप से आपदा प्रबंधन, जल निकासी व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित विभागों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। यादव ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नालों की साफ-सफाई, अवरुद्ध जल निकासी लाइनों को ठीक करने और पंप सेटों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होने बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां आवश्यक उपकरण और मानव संसाधन तैयार रखने को कहा गया। साथ ही वर्षाकाल में पेयजल स्त्रोतों की शुद्धता बनाए रखने और दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। उन्होने आंधी-बारिश के दौरान विद्युत लाइनों में खराबी आने पर त्वरित मरम्मत और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए टीमों को तैयार रखने के निर्देश दिये। मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त दवाएं और स्टाफ तैयार रखने के निर्देश दिए।

यादव ने बताया कि इस बार का 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस राज्य सरकार की मंशानुरूप नाकोड़ा तीर्थ स्थल के परिसर में आयोजित किया जायेगा। उन्होने कार्यक्रम स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं, जैसे साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा, चिकित्सा और प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों और सामाजिक संगठनों से अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आहवान किया।

बैठक में संपर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों के निस्तारण, बिजली, पेयजल, सड़क और अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. गुंजन सोनी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विभागीय कार्यों को समयबद्ध तरीके से और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न करें।

प्रधानमंत्री का साइप्रस में सम्मान होना देश का सौभाग्य है : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली से जोधपुर पहुंचे और अपने निवास पर मीडिया से बातचीत की। पीएम नरेंद्र मोदी को साइप्रस में सम्मानित किए जाने के सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ऐसे सम्मान भारत के हम सब भारतवासियों के लिए हासिल कर हम सब लोगों का सौभाग्यवर्धन किया है। गंगा जल संरक्षण अभियान पर कहा कि जल संरक्षण होने से पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है।

जातीय जनगणना संबंधित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि किसी विषय को समझने या जान बूझकर के ना समझने पर प्रतिक्रिया देने के बजाय उनकी उस नासमझी या न समझने की आदत इन दोनों के ऊपर कभी-कभी विनोद कर लेना ही ज्यादा बेहतर होता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा फोन टैपिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि टेलीफोन टैपिंग जो गहलोत सरकार में जिसमें सब खुद मंत्री थे उस समय के टेलीफोन टैपिंग के प्रकरण चीफ मिनिस्टर के ओएसडी ने जिस तरह से उन सब का खुलासा किया है, मुझे लगता है कि उसके बाद में शायद कांग्रेस के किसी नेता से कम से कम राजस्थान में तो उनको इस तरह के लांछन लगाने या इस तरह की आधारहीन बातें करने का मोरल राइट भी नहीं है। उनके पास इस तरह का कोई अधिकार नहीं है और दिल्ली पुलिस को जिस तरह के स्टेटमेंट तत्कालीन मुख्यमंत्री के तत्कालीन ओएसडी ने दिए हैं, उनकी सरकार को लेकर के तत्कालीन मुख्यमंत्री के व्यवहार आचरण को लेकर के उनके टेलीफोन टैपिंग में बयान दिए हैं, मुझे लगता है पहले उस पर विचार करना चाहिए।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि बीजेपी परिवार भाव से काम करने वाली पार्टी है कि हम सामूहिक निर्णय पद्धित के साथ में निर्णय करने वाले लोग हैं। जब गहलोत की सरकार थी तब गहलोत के मंत्री गहलोत के विधायक, गहलोत के उपमुख्यमंत्री वह किस तरह की टिप्पणियां करते थे पहले एक बार वह उनके बारे में विचार करें, उसके बाद उनको कुछ कहने का अधिकार है।

जल अभियानों की समीक्षा की

पाली, (नि.सं.)। जिला कलक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में जिला कलक्टर कार्यालय के सभागार में सोमवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुयी। बैठक में जिला कलक्टर मंत्री ने वंदे गंगा, हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत मानसून में पौधारोपण, धरती आबा शिविरों के लिये, योग दिवस, आने वाले दिनों मे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय सम्बल पखवाड़ा की तैयारी की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये।

बैठक में कलक्टर ने वंदे गंगा अभियान की विभागवार प्रगति के बारे में जानकारी ली साथ ही अभियान में एप पर अपलोड के बारें में आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही हरियालो राजस्थान में पौधारोपण की तैयारी व जिले, विभाग व ब्लॉकवार तैयारी की समीक्षा की साथ ही उन्होंने योग दिवस के लिये जिले, ब्लॉक व ग्राम स्तर पर आयोजन के लिये चल रही तैयारियों की समीक्षा व धरती आबा शिविरों का प्रचार प्रसार व आने वाले दिनों में ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले दीनदयाल सम्बल पखवाड़ा के लिए भी ब्लॉक में आयोजित होने वाले शिविरों के लिये आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के सामान्य दिनों के कामकाज जिनमें चिकित्सा विभाग में मौसमी बीमारियों हीट वेव बांगड़ चिकित्सालय साथ ही पानी बिजली सार्वजनिक निर्माण विभाग के कामों जल जीवन मिशन पशुपालन विभाग जल संसाधन रीको उद्योग राइजिंग राजस्थान शिक्षा विभाग आदि अन्य सभी विभागों के कार्यों योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये।

इस अवसर पर बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह, अतिरिक्त कलक्टर अश्विनी के पंवार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र राणावत, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेन्द्र सिंह सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

कलक्टर व अन्य अधिकारियों ने नशामुक्ति के लिये नशामुक्त भारत अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक जेपी अरोडा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

उस दौर ने मुझे वास्तव में प्रेरित किया। मैं सुंदर चेन्नई में साथ खेलने के हमारे युवा दिनों से जानता हूं। इससे मुझे लगा कि मैं भी उनके जैसा ही रास्ता अपना सकता हूं। भगवान उनका भला करे।

– साई सुदर्शन

भारतीय बल्लेबाज, वाशिंगटन सुंदर के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

बेलारूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने पत्र लिखकर फ्रेंच ओपन के फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ पर की गई गैर पेशेवर टिप्पणियों के लिए मंगलवार को माफी मांग ली। गॉफ ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका को इस महीने की शुरुआत में फ्रेच ओपन के फाइनल में 6-7 (5-7) 6-2 6-4 हराया था। मैच के बाद सबालेंका ने कहा था कि यह मेरा फाइनल मैच में सबसे खराब प्रदर्शन रहा और मेरी गलतियों के कारण गॉफ ने खिताब जीता। सबालेंका ने आज कहा कि उन्हें अपनी टिप्पणियों पर खेद है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टेस्ट सीरीज जीती थी।

क्रिकेट जगत के लोगों ने इस ट्रॉफी का नाम बदलने की आलोचना की थी

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के विजेता कप्तान को मिलेगा पटौदी पदक

नई दिल्ली, 17 जून। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज के विजेता कप्तान को पटौदी पदक से सम्मानित किया जायेगा जिससे इन दोनों देशों की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता में इस शाही परिवार का नाम बना रहेगा। पटौदी परिवार का दोनों देशों की क्रिकेट से गहरा नाता रहा है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इससे पहले पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी करने का फैसला लिया था। पिछले हफ्ते लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान इसकी औपचारिक घोषणा होनी थी लेकिन अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान के भीषण हादसे के मद्देनजर इसे टाल दिया गया।

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के साथ क्रिकेट जगत के कुछ अन्य लोगों ने भी इस ट्रॉफी का नाम बदलने की आलोचना की थी। पता चला है कि तेंदुलकर ने खुद ईसीबी से संपर्क किया और कहा कि पटौदी नाम भारत-इंग्लैंड क्रिकेट का हिस्सा बना रहना चाहिए। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह की भी इसमें भूमिका रही। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, "ईसीबी ने जब इस ट्रॉफी का नाम बदलने का फैसला किया तब तेंदुलकर ने उनसे संपर्क किया और कहा कि पटौदी नाम भारत-इंग्लैंड प्रतिद्वंद्विता का हिस्सा बना रहना चाहिए।जय शाह भी इस चर्चा में शामिल थे। ईसीबी ने अनुरोध पर सहमति जताते हुए विजेता कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया है।"

पहले से तय कार्यक्रम का आयोजन नहीं हो सका ऐसे में ट्रॉफी का नाम बदलने की औपचारिक घोषणा लीड्स में सीरीज के शुरूआती मैच से एक दिन पहले 19 जून को की जाएगी। तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि एंडरसन टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज है। पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता है। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की और दोनों ने इंग्लैंड में लंबे समय तक काउंटी क्रिकेट खेला है।

जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट कप्तान नहीं बनने पर तोड़ी चुप्पी

लंदन, 17 जून। भारतीय तेंज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आखिरकार भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान नहीं बनने पर चुप्पी तोड़ी है। इस दौरान बुमराह ने कहा कि उन्होंने वर्कलोड को देखते हुए इंग्लैंड दौरे पर कमान संभालने का ऑफर ठुकरा दिया था। जिसके बाद उनके इनकार के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को नया कप्तान नियुक्त किया। बुमराह ने 20 जून से इंग्लैंड में शुरू होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले कप्तानी नहीं करने के फैसले के बारे में खुलकर बात की है।

31 वर्षीय बुमराह ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा कि, रोहित और विराट के आईपीएल के दौरान रिटायर होने से पहले मैंने बीसीसीआई से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अपने वर्कलोड के बारे में बात की थी। मैंने उन लोगों से बात की, जिन्होंने मेरी पीठ का इलाज किया। मैंने सर्जन से भी बात की जिन्होंने हमेशा मुझसे कहा कि आपको कार्यभार के बारे में स्मार्ट होना चाहिए। इसलिए मैंने उनसे बात की और फिर हम इस नतीजे पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा सतर्क होना चाहिए। इसलिए मैंने उनसे बात की और पिर हम इस नतीजे पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा सतर्क रहना होगा। इसलिए मैंने बीसीसीआई से कहा कि मैं लीडरशिप रोल में नहीं आना चाहता क्योंकि मैं पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में सभी मुकाबले नहीं खेल पाऊंगा।

बुमराह ने आगे कहा कि, हां बीसीसीआई कप्तानी के लिए मेरी ओर देख रहा था। लेकिन फिर मुझे कहना पड़ा कि नहीं ये टीम के लिए भी उचित नहीं है। पांच टेस्ट की सीरीज में तीन मैचों में कप्तानी कोई और करे और दो मैचों में कमान कोई और संभाले, ऐसा टीम के लिए उचित नहीं है। मैं हमेशा से टीम को पहले रखता हूं बता दें कि बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांचवें टेस्ट में चोटिल हो गए थे। वह पीठ की चोट के कारण आईसीसी चैंपियन ट्रॉफी में नहीं खेल सके थे।

मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर से शीर्ष पर

दुबई, 17 जून। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में छह साल बाद फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मंधाना को श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के साथ त्रिकोणीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत यह उपलब्धि हासिल हुई। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2019 में यह मुकाम हासिल किया था। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार मंधाना ने 727 रेटिंग अंक के साथ दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट का पछाड़ते हुए नंबर वन का ताज अपने नाम किया है। इंग्लैंड की नई कप्तान नैट सायवर-ब्रंट और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट 719 अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं।

कार्यालय नगर पालिका सीसवाली जिला बाराँ (राज.)

क्रमांकः– 468–70 दिनांकः– 13.06.2025

ई निविदा सूचना वर्ष 2025–26

NIB CODE : - DLB2526A2533

नगर पालिका सीसवाली द्वारा सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से 1 कार्य की मोहरबन्द Online निविदा (तकनीकी) व वित्तिय दो लिफाफा पद्धति) आमंत्रित की जाती है। निविदा व्दसपदम दिनांक 13.06.2025 से 25.06.2025 तक प्राप्त कर दिनांक 26.06.2025 को खोली जावेगी। निविदा संबंधी विवरण का अवलोकन नगर पालिका सीसवाली कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखा जा सकता है।

कार्य का विवरण www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता है एवं कार्य Online निविदा http://eproc.rajasthan.gov.in पर ही प्राप्त की जावेगी।

Work No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB08010

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सीसवाली

राज.संवाद/सी/25/4393

कार्यालय जिला परिषद जयपुर

कमांकः– एफ( )/स्टोर/निविदा/2025–26/667–68 दिनांकः– 16.06.2025

02 दुकानें किराये पर देने हेतु
खुली बोली सूचना वर्ष– 2025–26

जयपुर शहर के मध्य बनीपार्क सर्किल कलेक्ट्रेट के पास जयसिंह हाईवे मेन रोड पर इस कार्यालय परिसर के बाहर निर्मित 02 व्यवसायिक दुकान (साईज 10X10) जिन्हे राजस्थान पंचायतीराज नियम 1996 के नियम 164 के अनुसार 3 वर्ष के लिए किराये पर देनी है। जिसकी अवधि में निविदा शर्तो के अनुसार वृद्धि की जा सकती है। इच्छुक व्यक्ति/फर्मो से दुकाने निविदा की शर्तो के अनुरूप किराये पर लेने हेतु संलग्न प्रारूप में सीलबंद लिफाफो में भरकर प्रस्ताव दिनांक 26.06.2025 को सांय 3.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। प्राप्त दस्तावेजो को उसी दिन सायं 04.00 बजे पर खोले जायेगें। उच्चतम दर के प्रस्ताव को समिति द्वारा नियमानुसार स्वीकृत किया जावेगा।

कस	निविदा कार्य	निविदा फार्म शुल्क प्रति दुकान	आरक्षित किराया दर प्रति दुकान प्रति माह	खुली बोली खोलने की दिनांक/समय
1	2 दुकान किराये पर देने हेतु साईज (10x10)	500/–	15000.00	दिनांक 26.06.2025 को सांय 4.00 बजे

निविदाओ का विस्तृत विवरण राजस्थान सरकार की वेबसाईट http://sppp.jaj.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB code:- ZJP2526A0569 UBN is:- ZJP2526SSRC01004

राज.संवाद/सी/25/4459 अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी

हरभजन, युवराज और रैना की बढ़ी मुश्किलें

नई दिल्ली, 17 जून। प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म की जांच का दायरा बढ़ाते हुए पूर्व क्रिकेटर और फिल्मी हस्तियों द्वारा किए जाने वाले विज्ञापनों पर ध्यान केंद्रित किया है। ईडी ने प्रतिबंधित सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के साथ प्रमोशनल लिंक की चल रही जांच के तहत पूर्व भारतीय क्रिकेटरों हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रैना के साथ-साथ अभिनेता सोनू सूद और अभिनेत्री उर्वशी रौतेला से पूछताछ की है।रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ये एंडोर्समेंट से कई भारतीय कानूनों का उल्लंघन कर सकते हैं। इनमें इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, प्रिवेंशन ऑफ मन लॉड्रिंग एक्ट और बेनामी ट्रांजेक्शन एक्ट के साथ-साथ ही मिनिस्ट्री ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग और मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी द्वारा जारी किए गए परामर्श शामिल हैं।

एमी क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 17 जून। अंडर-16 अरावली कप में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 254 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं। शिफान खान ने 79 गेंदों में 15 छक्के और 11 चौके की मदद से 163 रन का सर्वाधिक योगदान दिया। एमी क्रिकेट अकादमी की ओर से कृष यादव ने 4 और अंशुमान सिंह ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमी क्रिकेट अकादमी ने 34 ओवर में 256 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। तविश शर्मा ने 97, यथार्थ भारद्वाज ने 75 नाबाद और आदित्य वाधवा ने 66 रनों का योगदान दिया। राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी की ओर से गगन सोनी और पुनीत यादव ने एक- एक विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच कृष यादव को चुना गया।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी भारत के लिए हर तरह से फायदेमंद होगी : रक्षा खडसे

नई दिल्ली, 17 जून। खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी महज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेश देने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और देश के युवाओं को प्रभावित करने वाले सामाजिक मुद्दों से निपटने की एक सुविचारित योजना भी है। उन्होंने यहां अपने कार्यालय में बातचीत में कहा, "ओलंपिक 2036 याराष्ट्रमंडल खेल 2030 जैसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी की तैयारी का मतलब है विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, आर्थिक निवेश और एक ऐसी प्रणाली को तैयार करना है जिसका फायदा सीधे खिलाड़ियों को मिलेगा।" खड़से ने कहा, "खेल अवसाद और यहां तक कि नशीली दवाओं की लत जैसी कई समस्याओं से निपटने का एक तरीका है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए जब आप ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करते हैं तो वह समाज के लिए प्रेरक शक्ति का काम करती हैं।" खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी अगले महीने गति पकड़ लेगी।

नीदरलैंड्स की टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला में नेपाल पर ऐतिहासिक जीत

ग्लासगो, 17 जून। नीदरलैंड्स ने टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला के दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ टाई होने के बाद तीसरे सुपर ओवर में जीत दर्ज की है। ग्लास्गो में सोमवार रात खेले गये मुकाबले में नेपाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी नीदरलैंड्स के लिए एन अनिल तेजा (35), विक्रमजीत सिंह (30), माइकल लेविट (20), मैक्स ओडाउड (19) और साकिब जुल्फिकार (नाबाद 25) की शानदार पारियों के दम पर निर्धारित 20 ओवरो में सात विकेट पर 152 रनों का स्कोर खड़ा किया। नेपाल की ओर से संदीप लामिछाने ने तीन और नंदन यादव ने दो विकेट लिये। ललित राजबंशी और कुशल भुर्तेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद कुशल भुर्तेल के साथ कप्तान रोहित पॉडेल ने पारी को संभालने का प्रयास किया। छठें ओवर में कुशल भुर्तेल 23 गेंदों में (34) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उन्हें डोरम ने आउट किया। इसके बाद डोरम ने ऐरी और किरन थगुना को भी पवेलियन भेज दिया।

नजमुल, मुशफिकुर के शतक ने बांग्लादेश को संभाला

गाले (श्रीलंका), 17 जून। कप्तान नजमुल शांतो (नाबाद 136) और मुशफिकुर रहीम (नाबाद 105) की शतकीय पारियों की मदद से बंगलादेश ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 292 रन बना मैच पर अपनी पकड़ बना ली है। आज यहां बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले टेस्ट मैच में मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। असिता फर्नांडो ने अनामुल हक (शून्य) को आउट कर बंगलादेश को पहला झटका दिया। थरिंडु रत्नायके ने अपने पदार्पण टेस्ट में शादमान इस्लाम (14) को आउटकर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद रत्नायके ने मोमिनुल हक (29) को भी आउटकर बंगलादेश के लिए संकट खड़ा कर दिया। ऐसी संकट की घड़ी में कप्तान नजमुल शांतो और मुशफिकुर रहीम की जोड़ी ने बंगलादेश की पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट लिए 247 रनों की अविजित साझेदारी हुई।

गिल की कप्तानी में कोहली और रोहित की विशेषताएं : बटलर

लंदन, 17 जून। इंग्लैंड की सीमित ओवर टीम के पूर्व कप्तान जॉस बटलर ने कहा कि भारतीय टेस्ट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में विराट कोहली और रोहित शर्मा की विशेषाएं है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में शुभमन गिल की कप्तान में खेल चुके बटलर कहा कि गिल की कप्तानी में विराट कोहली की तरह आक्रामक और रोहित शर्मा की तरह शांत नेतृत्व का मिश्रण है। उन्होंने कहा कि गिल अपने दो पूर्व कप्तानों की सर्वश्रेष्ठ विशेषताओं के साथ अपने तरीके से टीम की अगुवाई करेंगे।

सोफी एकदिवसीय क्रिकेट से लेगी संन्यास

वेलिंग्टन, 17 जून। न्यूजीलैंड महिला टीम की कप्तान सोफी डिवाइन इस वर्ष के आखिर में भारत और श्रीलंका में होने वाले एकदिवसीय महिला विश्वकप के बाद क्रिकेट के इस प्रारुप से संन्यास लेंगी। डिवाइन न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ अनौपचारिक खेल समझौते के तहत टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगी। डिवाइन ने न्यूजीलैंड की 17 महिला खिलाड़ियों की अनुबंध सूची आने से एक दिन पहले एकदिवसीय मैच से संन्यास लेने की घोषणा की है। वह केंद्रीय अनुबंधित समूह का हिस्सा नहीं होंगी। डिवाइन विश्वकप में टीम की कप्तानी करेंगी।

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल–कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :– ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/328–342 दिनांक :–16.06.2025

ई–निविदा सूचना संख्या : 18/2025–26

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों सेनिम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 789.92 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 20.06.2025 से दिनांक 11.07.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 43 छावनी स्थित मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	20.27
2	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 63 केशवपुरा स्थित मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	98.47
3	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 10 जगपुरा के मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	118.18
4	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 06 टैगोर नगर में स्थित मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	123.00
5	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 38 विज्ञान नगर स्थित मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	132.00
6	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 09 रानपुर में स्थित तीन मुक्तिधामो में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	149.00
7	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 35 अनन्तपुरा के मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	149.00

NIB Code No.DLB2526A2559 UBN No.DLB2526WSOB08121
UBN No.DLB2526WSOB08115 UBN No.DLB2526WSOB08116
UBN No.DLB2526WSOB08117 UBN No.DLB2526WSOB08118
UBN No.DLB2526WSOB08119 UBN No.DLB2526WSOB08120

अधीक्षण अभियन्ता
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/4442

34वीं सीनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान के आनंद ने नंनदाउ में जीता रजत पदक

जयपुर, 17 जून। भारतीय वुशू संघ व राजस्थान वुशू संघ के तत्वावधान मे दिनांक 14 से 19 जून तक पूर्णिमा यूनिवर्सिटी मे आयोजित हो रही 34वीं सीनियर राष्ट्रीय (पुरुष/महिला) वुशु प्रतियोगिता में आज राजस्थान के आनंद सैनी ने नंनदाउ में रजत पदक जीता। आज के समारोह के मुख्य अतिथि कॉमडोर वरूण सिंह (शौर्य चक्र से सम्मानित), सचिव सर्विसेस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड, सीताराम मीणा, समाज सेवी, सत्यम स्वामी, (योग में वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर), सुमेर गुर्जर मैनेजर, एमसीजी ग्रुप, सुरेश अवाना गोपालन रत्न अवार्डी एवं शिव कुमार सरपंच रहे। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वूशु संघ ने सभी अतिथियों का साफा पहनाकर व बुके, स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत अभिनन्दन किया।

राजेश कुमार टेलर ने बताया कि पुरूष वर्ग में प्री क्वाटर मुकाबलों में राजस्थान के 65 किलोग्राम भारवर्ग में आयुष (राजस्थान) ने बैंजिम (मिजोरम) को 2-0 से हराया, 75 किलो भारवर्ग में अमन (राजस्थान) ने अनुभव (असम राईफल) को 2-0 से हराया, 85 किलो भारवर्ग में राकेश (राजस्थान) ने मो. नाजीद (कैरला) को 2-1 से हराया एवं राजस्थान महिला वर्ग में क्वाटर फाईनल मुकाबलों मे 48 किलो में मेघा जोशी (राजस्थान) ने निधि (एसएसबी) को 2-0 से हराया।

मो. रजा ने दक्षिण एशियन यूथ बास्केटबॉल चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

जैसलमेर, 17 जून। फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल बास्केटबॉल एसोसियेशन द्वारा 12 से 15 जून तक मालदीव में अंडर 16 साउथ एशियन यूथ बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। भारतीय टीम ने इस प्रतियोगिता में फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को 93-62 से पराजित कर स्वर्ण पदक देश के नाम किय। इस प्रतियोगिता में जैसलमेर बास्केटबॉल अकादमी के खिलाड़ी मोहम्मद रज़ा ने सर्वाधिक 86 अंक अर्जित कर भारतीय टीम के टॉप स्कोरर रहे साथ ही श्रीलंका के सामने 38 अंक बनाकर देश को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्व कलेक्टर गिरिराजसिंह कुशवाह द्वारा खिलाड़ी मोहम्मद रज़ा के उज्ज्वलभविष्य की कामना की गई। ज्ञात रहे कि पूर्व में कलेक्टर रहे गिरिराजसिंह कुशवाह द्वारा अपने कार्यकाल में जैसलमेर बास्केटबॉल अकादमी शुरु करवायी गई, उसी अकादमी में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तरासे जा रहे है,अनेक खिलाड़ियों की सरकारी नौकरी लग जाने से उनके परिवार का जीवन स्तर बदल गया है।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) अजमेर

क्रमांक :- ठेका /2025-26/164-173 दिनांक :- 13/06/2025

खुली बोली निविदा सूचना

NIB CODE-DAM2526A0189

इस कार्यालय द्वारा मण्डी यार्डो में निर्मित सभी क्योस्को एवं किसान भवन कैन्टीन व गौण मण्डी यार्ड पुष्कर कैन्टीन का दिनांक 01.07.2025 से 31.03.2026 तक के लिये संचालन, कार्य खुली बोली से कराया जाना है। इच्छुक/अनुभवी व्यक्ति एवं फर्मो से निम्न विवरणानुसार खुली निलामी बोली द्वारा ठेका पर दिया जाना है। विस्तृत जानकारी एंव शर्ते कार्यालय मे किसी भी कार्य दिवस (समयः–12 बजे से 1 बजे) तक देखी जा सकती है।

क्र. सं.	मण्डी यार्ड	कियोस्क संख्या	निविदा प्रपत्र शुल्क रु.	अनु. प्रारंभिक बोली प्रतिमाह	धरोहर राशि	खुली निलामी बोली की दिनांक व समय	निविदा प्रपत्र विक्रय करने की दिनांक	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अन्तिम दिनांक व समय
1	मुख्य मण्डी अजमेर	कियोस्क संख्या एक	200+18% = 236	64938	11690	25.06.2025 (12:00 PM)	13.06.2025	25.06.2025 (11:00 AM)
2.	किसान भवन अजमेर	कैन्टीन	200+18% = 236	5000	900			
3	गौण मण्डी यार्ड पुष्कर	कियोस्क	200+18% = 236	8400	1520			

राज.संवाद/सी/25/4430 सचिव प्रशासक

खेल प्रशिक्षण शिविर में सीखी बारीकियों को करें आत्मसात : डॉ. नीरज कुमार पवन

जयपुर, 17 जून। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के द्वारा संचालित 65 वें केन्द्रीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार को इंडोर हॉल सवाई मानसिंह स्टेडियम में समारोह पूर्वक किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार एवं अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल प्रशिक्षण शिविर के दौरान अनुभवी दक्ष प्रशिक्षकों एवं अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के द्वारा सिखाई गई खेल की बारीकियों को आत्मसात करते हुए खेल के स्तर को सुधारना चाहिए। शिविर के दौरान खट्टे - मीठे अनुभव जीवन को जीने की नई सीख देते है।

डॉ. पवन ने कहा कि इस बार नवाचार करते हुए प्रतिभागी खिलाड़ियों को पहली बार वातानुकूलित होटलों में ठहराने की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा प्रत्येक शुक्रवार को शारीरिक थकान दूर करने के लिए मनोरंजनात्मक खेल, फिल्म व सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभा को दिखाने का अवसर प्रदान किया गया है।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मांग को देखते हुए आबू पर्वत में लगने वाले प्रशिक्षण शिविर में आगामी वर्ष से खेल व खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाये जाने पर सकारात्मक रूख अपनाया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महावीर मीणा, वित्तीय सलाहकार ने की। विशिष्ट अतिथि मुख्य शिविर निदेशक मुख्य खेल अधिकारी विरेन्द्र पूनिया थे। शिविर निदेशक खेल प्रबन्धक रण विजय सिंह ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शिविर के दौरान 21 दिवसीय गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया।

समारोह के दौरान खिलाड़ियों के द्वारा वुशू, जिमनास्टिक, कुश्ती व जूडो खेल का प्रदर्शन करते हुए मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रदान की गई। इस मौके पर सहायक शिविर निदेशक भरतराम गुर्जर, मनीष वर्मा, खेल प्रबन्धक नरेन्द्र भूरिया, अनिरूद्ध जगधारी, नियमित एवं अल्पकालीन प्रशिक्षक मौजूद थे। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ बालक व बालिका खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। जो इस प्रकार है:- **भारोत्तोलन** - राजवीर, आरती, जिम्नास्टिक - नेत्रत्व शर्मा, सलोनी, हॉकी - आर्यन पुरोहित, चाहत, खो-खो - जयदीप सिंह, टीना, फुटबाल - आयुष कुमार, अन्विका सिंह, जूडो - चेतन सिंह, लावण्या सिंह, साईक्लिंग - शिवरतन, कुश्ती - शुभम, कोमल, टेबल-टेनिस -नैतिकवीर यादव, अधिश्री, बैडमिंटन - केशव मिततल, कृतिका सिंह, कबड्डी - जितेन्द्र, रीनू, वूशू - रूद्राक्ष अमेरिया, खुशी, क्रिकेट - सुमित सारन व वंदाना गहलोतछळ

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 742 Date :- 13/06/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 14/2025-26

Bids for Gabian stracture work Project PMKSY 2.0 Block – Mandrail of estimated value INR 224.17 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 23-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE :- WSC2526A0304
UBN NO. :- WSC2526WSRC00504

Raj.Samwad/C/25/4387 Superintending Engineer and Project Manager

कार्यालय नगर परिषद, लालसोट

क्रमांकः– न.प.ला./25/1390 दिनांकः– 13.06.2025

निविदा सूचना – NIB-06/2025-26

नगरपरिषद लालसोट द्वारा संवेदकों/संस्थाओं को सूचित किया जाता हैं कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिये विभिन्न कार्यो हेतु मोहरबन्द निविदायें दिनांक 19.06.2025 आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबधित सभी विवरण व शर्ते कार्यालय समय एवं वेबसाईट http:www.sppp.rajasthan.gov.in पर दिनांक 14.06.2025 से देखी जा सकती है।

UBN:- DLB2526WSOB07918, 919, 921, 922

सभापति
नगर परिषद लालसोट

आयुक्त
नगर परिषद लालसोट

राज.संवाद/सी/25/4414

कार्यालय पालिका खेजरोली, जयपुर (राज.)

क्रमांकः न.पा.खेज./2025/23 दिनांकः 09.06.2025

ई–निविदा सूचना संख्या 01/2025–26

नगर पालिका खेजरोली द्वारा निम्नलिखित सम्पूर्ण पालिका क्षेत्र में सफाई कार्य के लिए पंजीकृत संवेदकों से ई–निविदा पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संवेदक निविदा वेबसाईट http://proc.rajasthan.gov.in एवं http:/sppp.rajasthan.gov.in से जानकारी प्राप्त कर सकते है। जिसके NIB Code or UBN No. निम्न प्रकार है–

S.R. No.	Nib Code	UBN No.
1	DLB2526A2403	DLB2526SLOB07626

राज.संवाद/सी/25/4405 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका खेजरोली

कार्यालय नगर निगम जोधपुर उत्तर

Nagar Nigam Bhawan, Inside Poltechnic college campus, Residency Road, Jodhpur-342004

क्रमांक :–2069 दिनांक :– 12.06.2025

–:: वाहन पार्किंग ठेका ::–
–:: ई–नीलामी सूचना ::–

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जोधपुर, उत्तर द्वारा निम्न विवरण अनुसार ई–निलामी निम्नानुसार रखी गई है :–

UBN-DLB2526SLOB08012

क्र. स.	विवरण	ई–नीलामी धरोहर राशि	न्यूनतम सरकारी बोली	बोली प्रारम्भ करने की तिथि	बोली लगाने की अंतिम तिथि
01	सतारा प्लाजा के बाहर व डम्पिंग स्टेशन वाली रोड जोधपुर	1,50,000/– (एक लाख पचास हजार रूपये)	26,35,000/– (छबीस लाख पैतीस हजार रूपये)	13.06.2025 सुबह 10:00 से	27.06.2025 शाम 6:00 बजे तक

01. नीलामी भागीदारी शुल्क 1000 /– रू प्रति पांर्किग प्रतिभागीदार नॉन रिफण्डेबल।
02. ई–नीलामी अमानत राशि व भागीदारी शुल्क जमा कराने की दिनांक 13.06.2025 प्रातः 10:00 से 27.06.2025 दोपहर 03:00 तक।
03. ई–नीलामी के अंतिम 15 मिनट में बोली आने पर ई–नीलामी समयवधि में प्रत्येक बार स्वत ही 30 मिनट की वृद्वि हो जायेगी।
04. किसी प्रकार की तकनीकी समस्या एंव जानकारी हेतु श्री रफीउदीन प्रोग्रामर मोबाईल नम्बर – 7014268186 एंव श्री अभिषेक गहलोत राजस्व अधिकारी मोबाईल नम्बर – 9251400686 सम्पर्क कर सकते है।

ई–नीलामी की प्रकिया विस्तृत शर्तो एंव पांर्किग कि जानकारी नगर निगम जोधपुर (उत्तर) की वेबसाईट http://www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjn एवं lsgeauction.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर उत्तर

राज.संवाद/सी/25/4421

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) अजमेर

क्रमांक :- ठेका /2025-26/189-198 दिनांक :- 16/06/2025

निविदा सूचना

NIB CODE-DAM2526A0193

इस कार्यालय द्वारा मण्डी यार्डो में Supply, Instalation and commissioning Of Solid Waste Manangement Mobile Unit 250KG par day Capacity with Accessories निम्नानुसार साम्रगी क्रय एवं कार्य किया जाना है। इस प्रकार की साम्रगी/कार्य के अधिकृत विक्रेताओ/पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी एवं शर्ते कार्यालय मे किसी भी कार्य दिवस (समयः–12 बजे से 1 बजे) तक देखी जा सकती है।

क्र. सं.	मण्डी यार्ड	साम्रगी/उपकरण	निविदा प्रपत्र शुल्क रु.	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र विक्रय करने की दिनांक	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अन्तिम दिनांक व समय	निविदा खोलने की दिनांक व समय
1	मुख्य मण्डी अजमेर	Supply, Installation and commissioning of Solid Waste Management Mobile Unit 250 KG par day Capacity with Accessories	500+18% GST =590	10,000	16.06.2025	25.06.2025 (11:00 AM)	25.06.2025 (1:00 PM बजे से लगातार)

राज.संवाद/सी/25/4449

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, फल-सब्जी, अजमेर

प्रशासक
कृषि उपज मण्डी समिति, फल-सब्जी, अजमेर

एयर इंडिया भारी संकट में, सात फ्लाइट्स एक साथ रद्द की गई

शिलांग, 17 जून। एअर इंडिया की परेशानियां मंगलवार को तब और बढ़ गईं, जब तकनीकी और परिचालन कारणों से सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह टाटा समूह के एयरलाइन खरीदने के बाद सबसे गंभीर संकट माना जा रहा है। छह उड़ानें इसलिए रद्द की गईं, क्योंकि डीजीसीए ने ड्रीमलाइनर बेड़े की अतिरिक्त जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, अहमदाबाद से लंदन गैटविक जाने वाली उड़ान विमान

- एयर इंडिया, जिसका संचालन टाटा ग्रुप के पास है, ने यात्रियों से खेद जताया और वैकल्पिक व्यवस्था का आश्वासन दिया।

उपलब्ध न होने के कारण रद्द की गई।

एअर इंडिया ने कहा कि अहमदाबाद से लंदन के गेटविक हवाई अड्डे के लिए उसकी उड़ान रद्द कर दी गई है। एयरलाइन की ओर से इसके पीछे के कारण विमान की अनुपलब्धता, हवाई क्षेत्र में पाबंदियां और अतिरिक्त सावधानी से की जा रही जांच बताई गई। एयरलाइन ने यह भी स्पष्ट किया कि यह फैसला किसी तकनीकी खराबी की वजह से नहीं लिया गया। एअर इंडिया ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया और कहा कि उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं।

इस वर्ष ''राइज़िंग राजस्थान कॉन्क्लेव'' 11 व 12 दिसम्बर को होगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि कॉन्क्लेव में प्रदेश में आये औद्योगिक/आर्थिक बदलावों की विस्तृत जानकारी दी जायेगी

जयपुर, 17 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की अहम भूमिका है। पिछले वर्ष हुए इस आयोजन ने निवेश के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ और राजस्थान प्रमुख निवेश केन्द्र के रूप में उभरा है। इसी कड़ी में जयपुर में 11 व 12 दिसम्बर को आयोजित होने वाली ''राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप

- मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव का मुख्य लक्ष्य 2024 में हुए समिट में हस्ताक्षरित हुए एमओयू की प्रगति का विवरण पेश करना व 2026 में होने वाले समिट के लिए हमारा विज़न पेश करना है।

कॉन्क्लेव-2025'' प्रदेश की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेश साझेदारी को और मजबूत करेगी।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कॉन्क्लेव में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के दौरान हुए एमओयू की क्रियान्विति से प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक परिदृश्य में आए बदलावों के बारे में निवेशकों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि कॉन्क्लेव में सिटी टू सिटी, स्टेट टू स्टेट और इन्डस्ट्री टू इन्डस्ट्री के आधार पर राजस्थान एवं अन्य राज्यों तथा देशों के मध्य निवेश साझेदारी विकसित की जाए, जिससे प्रदेश के विकास को नए आयाम मिलें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव का प्रमुख लक्ष्य राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हस्ताक्षरित हुए एमओयू की प्रगति का विवरण पेश करने के साथ ही, वर्ष 2026 के प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को लेकर हमारे विजन को प्रस्तुत करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव से पूर्व राज्य सरकार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रनअप कार्यक्रमों के साथ ही, थीमेटिक विभागीय कार्यक्रमों का भी आयोजन करेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को राइज़िंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कॉन्क्लेव में सिटी टु सिटी, स्टेट टु स्टेट और इन्डस्ट्री टु इन्डस्ट्री के आधार पर राजस्थान एवं अन्य राज्यों तथा देशों के मध्य निवेश साझेदारी विकसित की जाए।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि दो दिवसीय पार्टनरशिप कॉन्क्लेव में पैनल डिस्कशन, राउण्ड टेबल और फायरसाइट चैट के साथ ही, एंकर इन्वेस्टर्स सम्मेलनों का आयोजन प्रस्तावित है।

लगातार दूसरे दिन करोना के एक्टिव केस घटे

नयी दिल्ली, 17 जून। देश में पिछले तीन दिनों के दौरान करोना के सक्रिय मामलों में कमी देखी गयी है और मंगलवार सुबह तक सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 6836 रह गयी है। इससे पहले रविवार और सोमवार को कुल सक्रिय मामलों की संख्या क्रमशः 7383 और 7264 थी।

पिछले 24 घंटों के दौरान, करोना संक्रमण से एक और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 109 पहुंच गया और 428 मामले घटने के साथ कुल सक्रिय मामलों की

- रविवार व सोमवार को करोना के एक्टिव केस क्रमशः 7383 और 7264 थे जो मंगलवार को घटकर 6836 रह गए।

संख्या 6836 रह गयी। वहीं, 1168 मरीजों के स्वस्थ होने से अभी तक इस वायरस से निजात पाने वालों की कुल संख्या 14772 पहुंच गयी है। गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में महाराष्ट्र में कोरान संक्रमण से एक मरीज की मौत हुयी है।

इस अवधि में जहां 14 राज्यों और केन्दशासित प्रदेशों में करोना के मामलों में वृद्धि देखी गई, वहीं 11 राज्यों में सक्रिय मामलों में कमी आयी है।

ट्रंप जी 7 शिखर वार्ता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास ऐसा शक्तिशाली बम है, जिसे - 52 विमान द्वारा छोड़ा जा सकता है, लेकिन अब तक अमेरिका ने ईरान के खिलाफ इसका प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी थीं।

ट्रंप ने जी7 शिखर सम्मेलन में अपने सहयोगियों से कहा कि ईरान के पास अब भी बातचीत की मेज पर लौटने का विकल्प मौजूद है, ताकि एक नया परमाणु समझौता हो सके। लेकिन उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि सीमित संघर्ष विराम की कोई गुंजाइश नहीं है। या तो ईरान परमाणु समझौते पर

- ट्रंप अब ईरान से ''डील'' करना चाहते हैं कि अगर ईरान ''नेगोशिएटिंग टेबल'' पर ''डील'' करने नहीं आता है तो अमेरिका इज़रायल को बी-52 विमान ईरान के खिलाफ काम में लेने की अनुमति दे देगा।
- अमेरिका का ईरान पर यह दबाव शायद चल जाएगा, ट्रंप को यह विश्वास है। इसीलिए ट्रंप गत कुछ दिनों से लगातार ईरान को बार-बार धमका रहे हैं।
- जी 7 शिखर सम्मेलन से ट्रंप की अचानक विदाई को चुपचाप स्वीकार करने के अलावा जी7 ग्रुप के अन्य सदस्यों के पास कोई चारा नहीं था।

बातचीत के लिए तैयार हो, या फिर उसे कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

इज़राइल का मानना है कि ईरान उसके खिलाफ परमाणु हथियार विकसित कर रहा था, और इस आधार पर उसने आत्मरक्षा के अधिकार का हवाला देते हुए हमलों को उचित ठहराया है।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी स्वीकृति के बिना इज़राइल उसे तुरंत बातचीत की प्रक्रिया में लौटना होगा।

जी7 के अन्य नेताओं ने राष्ट्रपति ट्रंप के अचानक रवाना होने को स्वीकार किया। शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स, और वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए खतरे जैसे विषयों पर चर्चा प्रस्तावित थी।

शुरु से लग रहा था, पता नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

अगर ईरान ने इज़रायल को ही नहीं, पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका को सजा देने का सोचा तो इसके गंभीर नतीज़े हो सकते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि ईरान ने पर्शियन खाड़ी को बंद करने की कोशिश की, जिससे तेल से लदे जहाजों का मार्ग अवरुद्ध हो, तो इससे वैश्विक तेल कीमतों में उछाल आ सकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसा कदम मध्य पूर्व के तेल उत्पादक देशों को भी प्रभावित करेगा, क्योंकि उनके पास तेल निर्यात का कोई अन्य आसान रास्ता नहीं होगा।

जी7 की तत्काल चिंता का विषय यह भी है कि इस संघर्ष का असर रूस-यूक्रेन युद्ध पर कैसे पड़ेगा। जी7 देश रूसी तेल कीमतों पर सीमा निर्धारित कर रूस की आमदनी कम करना चाहते हैं, ताकि उसकी युद्ध क्षमता को कमजोर किया जा सके, क्योंकि तेल बेचकर रूस जो पैसा कमा रहा है, उससे ही युद्ध को फायनैंस कर रहा है।

लेकिन इसमें सबसे बड़ी बाधा खुद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप हैं, जो रूस पर और प्रतिबंध लगाने के इच्छुक नहीं दिखते। जी-7 देश भी ट्रंप के इस रूख को अच्छी तरह से समझते हैं।

ट्रंप की इकतरफा नीतियों और सहयोगियों की अनदेखी के चलते, पहले भी जी7 बैठकों में गतिरोध पैदा हुआ है। पिछली बार जब जी7 सम्मेलन कैनडा में हुआ था, ट्रंप ने संयुक्त घोषणा पत्र को समर्थन देने से इनकार कर दिया था और बाद में कथित तौर पर उस दस्तावेज को फाड़ भी दिया था। उस समय कैनडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो को उन्होंने ''कायर'' तक कह दिया था।

हालांकि इस बार फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जैसे नेता मौजूद हैं, जो पहले ऑवल ऑफिस में ट्रंप के सामने सीधे खड़े हो चुके हैं।

इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप इस बार बैठक पर कितना प्रभाव डालते हैं, और क्या कोई प्रभावी निर्णय लिए जा सकेंगे।

नाबालिग का अपहरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के चाचा ने 7 जुलाई, 2020 को प्रागपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी भतीजी 4 जुलाई को अपने घर के लिए रवाना हुई थी। रास्ते में उसे गांव के दो युवक मिले और पीड़िता को घर छोडने के बहाने बाइक पर बैठाकर ले गए। इस दौरान अभियुक्त नितिन भी रास्ते में मिला और वह भी उसने साथ-साथ गांव गया। भतीजी को घर छोड़ने के बजाए उसे धर्मशाला ले गए और तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद, उसे एक धार्मिक स्थल के तिबारे में रात भर रखा और दुष्कर्म किया। वहीं, सुबह उसे नशीला पेय पिलाकर वहां छोड़कर चले गए। रास्ते में बदहवास भतीजी को देखकर लोगों ने उसे फोन पर सूचना दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने डीएनए रिपोर्ट के आधार पर सिर्फ अभियुक्त नितिन के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश किया। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

कच्चे तेल के परिवहन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के माध्यम से, टैंकरों द्वारा उतारे गए कच्चे तेल की लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह संचालन से लाभ होगा।

यह आदेश ऐसे समय में आया है जब वैश्विक स्तर पर शैडो फ्लीट्स और विशेष रूप से रूसी कच्चे तेल के परिवहन पर निगरानी और कड़ी हो रही है। भारत द्वारा अपने स्वदेशी टैंकरों का निर्माण और संचालन इस दिशा में एक रणनीतिक बदलाव का संकेत देता है-जो विदेशी जहाज़ों पर निर्भरता घटाकर ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर संप्रभु नियंत्रण सुनिश्चित करना चाहता है।

हालांकि आलोचकों का कहना है कि भले ही यह टैंकर सरकारी नियंत्रण में बनेंगे, लेकिन इसका वास्तविक नियंत्रण धीरे-धीरे निजी हाथों में जा सकता है। इसके कारण सार्वजनिक संसाधनों के माध्यम से निजी एकाधिकार के बढ़ते खतरे और क्रोनी कैपिटलिज़्म (मित्र पूंजीवाद) की आशंका जताई जा रही है।

जहां एक ओर यह परियोजना स्वदेशी निर्माण, रोजगार और समुद्री क्षमता को बढ़ावा देती है, वहीं दूसरी ओर वित्तीय और परिचालन नियंत्रण का एक बड़ा हिस्सा रिलायंस और अडानी जैसे औद्योगिक दिग्गजों को जाता दिख रहा है।

भारत की इन्फ्रास्ट्रक्चर नीति में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि सरकारी पहलों और निजी एकीकरण के बीच की रेखा धुंधली होती जा रही है-यह ऐसी प्रवृत्ति है जिसकी तारीफ तो बनती है पर इसकी जांच भी की जानी चाहिए। जो प्रशंसा और जांच, दोनों की हकदार है।

'कुछ देर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाक के सशस्त्र तनाव के दौरान, बॉर्डर एरिया में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रभावित रही। वहीं, लाइब्रेरी आदि को भी बंद कर दिया गया, जिसके चलते अभ्यर्थी भी प्रभावित हुए। वहीं, एक्स सर्विसमैन कोटे में आवेदन करने वाले कई अभ्यर्थियों को पुनः ड्यूटी पर बुला लिया गया था। इसके चलते उन्हें भी अध्ययन का मौका नहीं मिला। याचिका में कहा गया कि आरपीएससी पूर्व में भी कई बार मुख्य परीक्षा को स्थगित कर चुका है। एक भर्ती में तो मुख्य परीक्षा की तिथि से दो दिन पूर्व ही भर्ती स्थगित की गई थी। ऐसे में अभ्यर्थियों के हितों को देखते हुए मंगलवार से होने वाली मुख्य परीक्षा को स्थगित किया जाए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908